

संक्षिप्त खबरें

इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 6 दिसंबर से चंडीगढ़ में

नई दिल्ली: इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल इस बार इस बार 6 दिसंबर से चंडीगढ़ में आयोजित होगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज चंडीगढ़ में 6 से 9 दिसंबर तक होने वाले इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (आईसीएसएफ 2025) की चल रही तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक हाई-लेवल रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता की। सिंह ने कहा कि इस साल का आईसीएसएफ एक दमदार नेशनल कहानी पेश करेगा, जिसमें दिखाया जाएगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साइंस, रिसर्च और इनोवेशन के प्रति भारत का नजरिया कैसे पूरी तरह से बदल गया है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, आज साइंस पॉलिसी को लीड करता है। वे दिन गए जब साइंस पॉलिसी का इंतजार करता था। आज पॉलिसी साइंस और टेक्नोलॉजी से तय होती हैं।

डिजिटल युग में पुस्तकालय ज्ञान के भरोसेमंद मार्गदर्शक : उपराष्ट्रपति, राधाकृष्णन

नई दिल्ली: उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तकालय के बल। किताबों का भंडार नहीं, बल्कि वे ज्ञान, चिंतन और सशक्तिकरण के मंदिर हैं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने शनिवार को केरल में संगठित पुस्तकालय आंदोलन के 80 वर्ष पूरे होने पर त्रिवेंद्रम के कनकक्कुन्नु पैलेस में पीएन पनिकर फाउंडेशन की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'लाइब्रेरीज एम्पावरिंग कम्प्यूनिटीज-ग्लोबल पर्सपेक्टिव्स' को वर्युअली संबोधित करते हुए कहा कि इस फाउंडेशन ने पढ़ने की संस्कृति, डिजिटल साक्षरता और ज्ञान के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। फाउंडेशन का नारा वाचिचु वलरुका (पढ़ो और आगे बढ़ो) आज भी समाज को ज्ञान और समावेशन की दिशा में प्रेरित करता है।

बोकारो जिला के चन्द्रपुरा प्रखंड स्थित अलारगो गांव पहुंचे मुख्यमंत्री सोरेन

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने स्मृति शेष-स्व० नेमनारायण महतो को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

नवप्रदेश संवाददाता

रांची: मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज पूर्व मंत्री स्व० जगरनाथ महतो के चन्द्रपुरा प्रखंड, अलारगो गांव स्थित आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री यहां पूर्व मंत्री स्व० जगरनाथ महतो के पिता एवं पूर्व मंत्री श्रीमती बेबी देवी के ससुर दिवंगत नेमनारायण महतो जी के ब्रह्मभोज कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने स्मृति शेष-स्व० नेमनारायण महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मरांग बुरु से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों को इस दुःख की घड़ी को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।



मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पूर्व मंत्री बेबी देवी एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर अपनी

गहरी संवेदनाएं व्यक्त की तथा उन्हें सात्वना दी। विदित हो कि विगत 21 अक्टूबर 2025

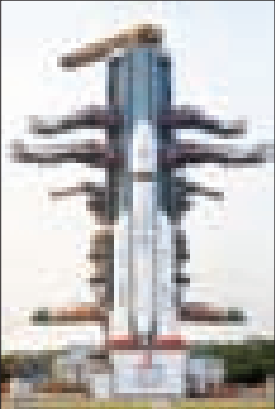
को पूर्व मंत्री स्व० जगरनाथ महतो के पिता एवं पूर्व मंत्री बेबी देवी के ससुर नेमनारायण

महतो जी का निधन हो गया था, वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

इसरो ने रचा एक और कीर्तिमान, 4400 किलो का वजनी 'बाहुबली' सैटेलाइट CMS-03 सफलतापूर्वक हुआ लॉन्च

श्रीहरिकोटा: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (कस्फह) के 4400 किलोग्राम से अधिक वजनी संचार उपग्रह उडर-03 को रविवार को लॉन्च कर दिया गया। अंतरिक्ष एजेंसी कस्फह ने बताया कि लगभग 4,410 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह भारत की धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी उपग्रह है। यह उपग्रह LVM3-M5 रॉकेट के जरिये लॉन्च किया गया। जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए बाहुबली नाम दिया गया है।

श्रीहरिकोटा से CMS-03 संचार सैटेलाइट ले जाने वाले ISRO के LVM3-M5 को लॉन्च किया गया। भारतीय नौसेना का GSAT 7R (CMS-03) संचार उपग्रह आज भारतीय नौसेना का अब तक का सबसे उन्नत संचार सैटेलाइट होगा। यह सैटेलाइट नौसेना की अंतरिक्ष-आधारित संचार और समुद्री क्षेत्र जागरूकता क्षमताओं



को मजबूत करेगा। यह सैटेलाइट भारत का अब तक का सबसे भारी संचार सैटेलाइट है, जिसका वजन लगभग 4,400 किलोग्राम है। इसमें कई स्वदेशी अत्याधुनिक घटक शामिल हैं, जिन्हें विशेष रूप से भारतीय नौसेना की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है।

बेंगलुरु में स्थित अंतरिक्ष एजेंसी कस्फह ने बताया कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से तैयार करके

अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है तथा इसे प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए यहां दूसरे प्रक्षेपण स्थल पर ले जाया गया है। इसरो ने बताया कि LVM3 (प्रक्षेपण यान मार्क-3) इसरो का भारी वजन वहन करने वाला नया प्रक्षेपण यान है और इसका उपयोग 4,000 किलोग्राम के अंतरिक्ष यान को लागत प्रभावी तरीके से जीटीओ में स्थापित करने के लिए किया गया।

तीन चरणों में हुई लॉन्चिंग

हालांकि यह दावा किया जा रहा है कि उपग्रह का इस्तेमाल सैन्य निगरानी के लिए भी किया जाएगा, लेकिन इस मामले पर इसरो की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। दो ठोस मीटर स्ट्रैप-ऑन (S200), एक द्रव प्रणोदक कोर चरण (L110) और एक क्रायोजेनिक चरण (C25) वाला यह तीन चरणीय प्रक्षेपण यान इसरो को जीटीओ में 4,000 किलोग्राम तक वजन वाले भारी संचार उपग्रहों को प्रक्षेपित करने में पूर्ण

आत्मनिर्भरता प्रदान करता है। LVM3- को इसरो के वैज्ञानिक भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) MK3 भी कहते हैं। इसरो की यह पांचवीं अभियानगत उड़ान : इसरो ने कहा कि LVM3-M5 पांचवीं अभियानगत उड़ान है। इससे पहले, इसरो ने पांच दिसंबर, 2018 को एरियन-5 VA-246 रॉकेट के जरिए फ्रेंच गुयाना के कोरू प्रक्षेपण केंद्र से अपने सबसे भारी संचार उपग्रह जीसैट-11 को प्रक्षेपित किया था। लगभग 5,854 किलोग्राम वजनी जीसैट-11 इसरो द्वारा निर्मित सबसे भारी उपग्रह है।

इसरो ने कहा कि रविवार के मिशन का उद्देश्य यह है कि बहु-बैंड संचार उपग्रह उडर-03 भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा। LVM-3 रॉकेट ने इससे पहले चंद्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण किया था, जिसके जरिए भारत 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बन गया।

बड़े भाई तेज प्रताप के खिलाफ महुआ में चुनाव प्रचार किये तेजस्वी

पार्टी ही मां-बाप है : तेजस्वी यादव

नवप्रदेश संवाददाता

पटना: 'बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में लालू यादव के दोनों बेटे खुलकर एक-दूसरे के सामने आ चुके हैं। रविवार को तेजस्वी यादव अपने बड़े भाई तेज प्रताप के विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार करने पहुंचे। महुआ में उन्होंने आरजेडी उम्मीदवार को माला पहनाते हुए उनकी जीत का दावा किया। स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने कहा कि कोई आए और कोई जाए, इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। तेज प्रताप को लेकर तेजस्वी ने कहा कि पार्टी से बड़ा कोई नहीं होता। पार्टी ही मां, बाप है, पार्टी नहीं है तो कोई कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि महुआ का टिकट लालू यादव ने देकर भेजा है। यहां लालटेन जलेगी तो सरकार बनेगी। तेजस्वी ने मुकेश रोशन के लिए वोट मांगा : महुआ विधानसभा क्षेत्र में तेजस्वी यादव ने बड़े भाई तेज प्रताप के खिलाफ चुनाव प्रचार



करते हुए जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने राजद के प्रत्याशी मुकेश रोशन के लिए वोट मांगा। इसी महुआ विधानसभा क्षेत्र से लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव जनशक्ति जनता दल पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में हैं। वह पार्टी और परिवार से अलग हटकर अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल ने महुआ के वर्तमान विधायक को दूसरी बार महुआ से अपना उम्मीदवार बनाकर चुनावी मैदान में भेजा है। उनकी लड़ाई लोजपा के उम्मीदवार संजय सिंह से है। हालांकि, यहीं से तेज प्रताप चुनाव

लड़ रहे हैं। ऐसे में मुकेश रोशन के लिए जीत की राह मुश्किल हो गई है। सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि किसी को कोई कंप्यूजन में नहीं रहना है। पार्टी से बड़ी कोई चीज नहीं होती है। पार्टी ही मां-बाप है, अगर पार्टी नहीं तो कोई कुछ नहीं है, कोई यहां आए कोई जाए, इसका कोई मतलब नहीं है। महुआ में फिर से लालटेन जलाना है महुआ में लालटेन जलेगी तो सरकार बनेगी। हर घर नौकरी का वादा दोहराया : तेजस्वी ने महुआ की जनता से यह भी कहा कि चिंता करने की कोई बात नहीं है। आरजेडी उम्मीदवार मुकेश रोशन को ही जिताना है। मुकेश रोशन को लालू यादव ने टिकट देकर भेजा है। जनसभा में तेजस्वी ने कहा, हमारी सरकार बनेगी तो हर घर नौकरी दी जाएगी। महिलाओं को सम्मान दिया जाएगा। पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए तेजस्वी ने कहा कि मोदी जी फैक्ट्री लगाएंगे गुजरात में और वोट और सरकार चाहिए बिहार में, यह नहीं होने वाला है।

PR No. 365093(Simdega) 2025-26

राजकीय

रामरेखा महोत्सव

2025

स्वान : तम्पोरा धाम, फाक्यलॉड, सिमडेगा | दिनांक : 04-05 नवंबर 2025

प्रमोद कुमर

साइका नुल

राशमी देवी

पूजा चटर्जी

राजनी चटर्जी

राशमी चटर्जी

मकुंद चटर्जी

राशमी चटर्जी

राशमी चटर्जी

जिला प्रशासन, सिमडेगा

हेमन्त सोरेन

मुख्यमंत्री, झारखण्ड

श्री श्याम सेवा मंडल ने धूमधाम से मनाया गया श्री श्याम बाबा का जन्मोत्सव

22 जनवरी को गुंजेगी कन्हैया मित्तल की स्वर लहरियां

नवप्रदेश संवाददाता

झुमरीतिलैया: श्री श्याम सेवा मंडल के तत्वावधान में मंडल के कार्यालय परिसर में श्री श्याम बाबा का जन्मोत्सव बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पाठ, उत्सव, ताली कीर्तन एवं भजन संध्या के साथ हुई। पूरे वातावरण में श्याम नाम का जयकारा गुंजता रहा और चारों ओर भक्तिमय माहौल छा गया।कार्यक्रम में मंडल के सभी सेवादारों ने बड़- चढ़कर भाग लिया। उपस्थित प्रमुख सेवादारों में धर्मेन्द्र कुमार भगत, मनीष पहाड़ी, विनीत पहाड़ी, बबलू पहाड़ी, रितेश सिंह, विक्की मोदी, रामानुज मोदी, सोहन मदनी, जयकांत कोनथे, अनिल सिंह, रणधीर कापसी, पंकज सर्वे, पिकू मोदी, दीपक चंद्रवंशी, वीर कुमार



गुप्ता सहित सैकड़ों भक्तजन शामिल हुए। भजन संध्या के दौरान धीरज पांडे जी एवं पंकज केसरी जी ने अपनी मधुर वाणी में भजनों की अमृत वर्षा कर भक्तों को भावविभोर कर दिया। श्री श्याम सेवा मंडल के अध्यक्ष जोशी कुमार ने बताया कि आगामी

18 नवंबर को बाबा का भव्य दरबार परसाबाद में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 13 कीर्तन का विशेष आयोजन होगा। सभी भक्तों की सुविधा के लिए बस की व्यवस्था भी की गई है।उन्होंने आगे बताया कि 22 जनवरी को मंडल के स्थापना दिवस के

अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल जी का शुभ आमनन होगा। यह दिन कोडरमा जिला वासियों के लिए विशेष और यादगार अवसर साबित होगा, जब पूरा नगर श्याम भक्ति में सराबोर होगा।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर हजारीबाग में भक्ति, उल्लास और एकता का अद्भुत नजारा

हजारीबाग: सिख समुदाय के प्रथम गुरु, श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को लेकर पूरे हजारीबाग शहर में श्रद्धा, उल्लास और भाईचारे का अद्भुत वातावरण देखने को मिल रहा है। भक्ति, प्रेम और एकता की भावना चरम पर है। मुख्य आयोजन से पूर्व लगातार पांचवें दिन भी प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और बच्चे श्रद्धाभाव से शामिल हुए। प्रभात फेरी की शुरूआत स्थानीय गुरुद्वारे से हुई, जो गुरु गोविंद सिंह रोड, पैगोडा चौक, इंद्रपुरी चौक, कचहरी रोड, जैन पेट्रोल पंप होते हुए पुनः गुरुद्वारे में जाकर संपन्न हुई।पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने ह्रजो बोले सो निहाल... सत श्री अकाल!ह्र के गगनभेदी जयकारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। संगत द्वारा पूरे रास्ते गुरुवाणी का मधुर कीर्तन किया गया, वहीं कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने लंगर सेवा के माध्यम से प्रसाद वितरित कर सेवा भावना का परिचय दिया।

श्याम नाम से गुंजा झुमरीतिलैया: भक्ति, आस्था और उल्लास में डूबी अभ्रक नगरी



नवप्रदेश, कोडरमा: अभ्रक नगरी झुमरीतिलैया रविवार को पूरी तरह श्याम भक्ति में सराबोर रही। कलियुग के अवतारी बाबा श्याम का जन्मोत्सव श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। शहर के हर कोने में हरे का सहारा बाबा श्याम हमारा के जयकारे गुंजते रहे और श्रद्धालु भक्ति भाव से बाबा के दरबार तक पहुंचते रहे। पानी टंकी रोड स्थित

खेतान निवास श्याम मंदिर को आकर्षक फूलों और गुब्बारों से सजाया गया था। भव्य भजन संध्या में यजमान के रूप में सोनी पंकज जगनानी शामिल हुए। भजन गायक नवीन पांड्या और यश दहीमा सहित कई कलाकारों ने भावपूर्ण प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस दौरान कलाकंद का केक काटकर जन्मोत्सव मनाया गया और बाबा

को छप्पन भोग अर्पित किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण श्याम शरण यूट्यूब चैनल पर किया गया। वहीं पोदार निवास और डोमचांच निवासी केपी चौधरी के आवास पर भी भव्य पूजा, भजन और भंडारे का आयोजन हुआ। पूरे दिन झुमरीतिलैया में श्याम नाम की गुंज रही और भक्ति, प्रेम व आस्था की अद्भुत छटा पूरे नगर में बिखरी रही।

ऑपरेशन विलेप के तहत बड़ी कार्रवाई, ट्रेन से 750 किलो अवैध लकड़ी बरामद



नवप्रदेश, कोडरमा: गुरपा रेल खंड में अवैध लकड़ी परिवहन पर रोक लगाने के लिए रविवार, 2 नवम्बर 2025 को पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन विलेप चलाया। अभियान के तहत गाड़ी संख्या 13553 अप आसनसोलइछ वाराणसी पैसेंजर ट्रेन का अतिरिक्त दो मिनट ठहराव गुरपा स्टेशन पर कराया गया। उनि जितेंद्र कुमार एवं वन क्षेत्र पदाधिकारी रजनीश कुमार के नेतृत्व में की गई जांच के दौरान

विभिन्न कोचों की खिड़कियों की ग़िल और सीटों के नीचे से हरा कच्चा लकड़ी बरामद हुआ। पृछताछ में किसी ने भी लकड़ी का मालिकाना हक नहीं बताया। बरामद लकड़ी को लावारिस हालत में जब्त कर एकत्र किया गया, जिसका वजन लगभग 750 किलोग्राम और अनुमानित मूल्य 6 हजार आंका गया। इस संबंध में संयुक्त जब्ती नोट तैयार कर वन विभाग गुरपा के सुपुर्द किया गया। अभियान पूर्णतः शांतिपूर्ण और सफल रहा।

डीवीसी केटीपीएस में विज्ञान जागरूकता सप्ताह के तहत चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

नवप्रदेश, कोडरमा: विज्ञान जागरूकता सप्ताह 2025 के तहत सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर डीवीसी एवं सीआईएसएफ कर्मियों के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रविवार, 2 नवम्बर को डीवीसी केटीपीएस प्रेक्षण क्लब में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11 बजे मुख्य महाप्रबंधक सह परियोजना प्रमुख मनोज कुमार ठाकुर ने किया। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में सतर्कता, जिम्मेदारी और ईमानदारी आवश्यक है, तभी एक सशक्त और पारदर्शी समाज का निर्माण संभव है। प्रतियोगिता में लगभग 120 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को जूनियर एवं सीनियर दो वर्गों में विभाजित



किया गया था। बच्चों ने अपनी सृजनशीलता के माध्यम से सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर आकर्षक, प्रेरणादायक और संदेशपूर्ण चित्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन पंकज कुमार झा (पीवीओ) एवं नवीन कुमार ने किया, जबकि आयोजन

को सफल बनाने में दिनेश सोनी, सुधीर कुमार शॉ और संतोष कुमार का विशेष योगदान रहा। इस प्रतियोगिता ने नन्हें प्रतिभागियों में ईमानदारी, निष्ठा और सतर्कता जैसे नैतिक मूल्यों के प्रति नई चेतना और जागरूकता का संसार किया।

महाराज जरासंध के आदर्शों पर चलती युवा शक्ति, निस्वार्थ सेवा के लिए मिला सम्मान

नवप्रदेश, हजारीबाग : अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा (ओकनी परिवार) के तत्वावधान में अखंड भारत के प्रथम चक्रवर्ती सम्राट महाराज जरासंध जी की 5228वीं जयंती के अवसर पर दो दिवसीय महाराज जरासंध पूजा का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर हजारीबाग यूथ विंग संस्था को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजक मंडली ने संस्था की सराहना करते हुए कहा कि बीते साढ़े चार वर्षों में यूथ विंग ने अनेक सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता निभाई है। उन्होंने कहा कि इस संस्था को सम्मानित करना पूरे समाज के लिए गौरव की बात है। संस्था के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन ने कहा कि यह सम्मान गर्व और प्रेरणा दोनों का प्रतीक है। समाजसेवा हमारी

प्राथमिकता रही है और आगे भी इसी भावना के साथ संस्था कार्य करती रहेगी। वहीं उपाध्यक्ष विकास तिवारी ने कहा कि महाराज जरासंध जैसे महान सम्राट के जन्मोत्सव पर सम्मान प्राप्त करना अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण है। यह सम्मान पूरी टीम की निष्ठा और समर्पण का परिणाम है। पूजा महोत्सव के दौरान भजन, कथा एवं आरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण एवं ह्राजय महाराज जरासंधह्र के जयघोष के साथ हुआ। इस अवसर पर सचिव रितेश खंडेलवाल, उपाध्यक्ष विकास तिवारी, मार्गदर्शक जयप्रकाश खंडेलवाल, विकास केशरी, मोहम्मद ताजुद्दीन, सेजल सिंह, खुशी कुमारी, राजू वर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

ऑपरेशन सतर्क कोडरमा रेलवे स्टेशन से दो शराब तस्कर गिरफ्तार, 18 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद

नवप्रदेश संवाददाता

कोडरमा: रेलवे सुरक्षा बल कोडरमा ने रविवार, 2 नवम्बर 2025 को ऑपरेशन सतर्क के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शराब तस्करों को धर दबोचा। निरीक्षक प्रभारी कोडरमा दीपक कुमार के निर्देश पर सहायक उपनिरीक्षक बशिष्ठ नारायण यादव के नेतृत्व में आरक्षी शंकर कुमार एवं राम बाबू यादव की टीम कोडरमा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 4/5 पर गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान एफओबी के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को पिडू बैग और झोले के साथ देखा गया। पृछताछ में उनकी पहचान विकास कुमार (31 वर्ष), निवासी महिला, नालंदा तथा संतोष कुमार चौधरी (50 वर्ष), निवासी वैशाली,



बिहार के रूप में हुई। जांच में उनके बैग से रॉयल स्टेग और रॉयल झारखंड के कुल 30 से अधिक बोतलें बरामद हुईं, जिनकी कुल मात्रा 18,450 मिलीलीटर और अनुमानित कीमत 8,600 आंकी गई। पृछताछ में दोनों ने शराब को बिहार ले जाकर

ऊंचे दामों पर बेचने की बात कबूली। मौके पर ही शराब जब्त कर दोनों को गिरफ्तार किया गया। बरामद शराब को उत्पाद विभाग, कोडरमा को सुपुर्द किया गया। यह पूरी कार्रवाई ऑपरेशन सतर्क के तहत शांतिपूर्ण व सफलतापूर्वक पूरी की गई।

तीन दिवसीय इतवारी छठ पर्व संपन्न, डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

नवप्रदेश, चौपारण: प्रखंड क्षेत्र में तीन दिवसीय इतवारी छठ पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। रविवार की संध्या बेला में छठ ऋतियों ने विभिन्न नदी, तालाब और घाटों पर पहुँचकर अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। अर्घ्य देने से पूर्व व्रती महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना की। सूर्य अर्घ्य के बाद श्रद्धालुओं ने नदी में पूजा-अर्चना कर छठी मइया से आशीर्वाद प्राप्त किया। घाटों पर श्रद्धालुओं

की भारी भीड़ उमड़ी रही और जय छठी मइया के जयघोष से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। छठ व्रतियों ने देर शाम अन्न-जल ग्रहण कर व्रत का समापन किया। स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवी संगठनों की ओर से घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। वहीं ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से घाटों को आकर्षक रूप में सजाया। फूल, दीये और रंगोली से सजे घाटों का दृश्य मनमोहक लग रहा था। पूरे क्षेत्र में छठ पर्व की भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।



आईडीए गिरिडीह ब्रांच का गठन ऐतिहासिक : डा. विवेक कुमार

नवप्रदेश संवाददाता
धनबाद। इंडियन डेंटल एसोसिएशन के द्वारा गिरिडीह ब्रांच का स्थापना समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया,उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डेंटल कौंसिल ऑफ इंडिया कार्यकारिणी समिति के सदस्य सह झारखंड स्टेट डेंटल काउंसिल के अध्यक्ष डॉ विवेक कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।
उक्त समारोह में उपस्थित दंत चिकित्सकों शिक्षाविदों और छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ विवेक कुमार ने कहा कि आधुनिक युग में दंत चिकित्सक केवल डॉक्टर ही नहीं बल्कि जन स्वास्थ्य के प्रहरी,नैतिक आचरण के संवाहक और समाज में लोगों को स्वस्थ,सुरक्षित एवं खुशहाल रखने वाले सच्चे सेवा-कर्ता है !



आगे उन्होंने सभी चिकित्सकों से अधिक से अधिक स्कूल डेंटल हेल्थ कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर स्क्रीनिंग कैप एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की अपील की और कहा कि हमारी जिम्मेदारी निजी प्रेस प्रेक्टिस

से आगे बढ़कर समाज तक पहुंचना हमारा मुख्य लक्ष्य होगा। आगे डॉक्टर विवेक कुमार ने कहा कि इंडियन डेंटल एसोसिएशन के द्वारा राज्य के सभी जिलों में डेंटल विभाग का ब्रांच होगा ताकि लोगों के बीच नैतिक

चिकित्सा व समाज सेवा के क्षेत्र में दंत चिकित्सा को पारदर्शिता के साथ मजबूत किया जा सके। ज्ञात रहे की डेंटल काउंसिल आफ इंडिया कार्यकारिणी समिति के सदस्य सह झारखंड स्टेट डेंटल काउंसिल के अध्यक्ष डॉ

धनबाद डिस्ट्रिक्ट फोटोग्राफर्स ट्रेड एसोसिएशन की वार्षिक आम बैठक

सुनील सिंह अध्यक्ष, रंजीत कुमार गुप्ता सचिव एवं प्रकाश कुमार कोषाध्यक्ष बने
नवप्रदेश संवाददाता



धनबाद। 02 नवंबर को चैंबर ऑफ कॉमर्स बैंक मोडू, धनबाद में धनबाद डिस्ट्रिक्ट फोटोग्राफर्स ट्रेड एसोसिएशन की वार्षिक आम बैठक सुनील सिंह की अध्यक्षता में की गई। सर्वप्रथम मीडिया प्रभारी रंजीत जायसवाल ने उपस्थित सभी सदस्यों का अभिवादन करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित एवं राष्ट्रीय गान कर प्रारंभ की गई। इसके बाद कोषाध्यक्ष प्रकाश कुमार ने वर्ष 2024 - 2025 का लेखा-जोखा सभी संघटन सदस्यों के समक्ष रखा और सभी सदस्यों की सहमति से पास

किया गया । साथ ही सचिव रंजीत कुमार गुप्ता ने पिछले वर्ष के कार्यकाल में संघटन के क्रियाकलापों के बारे में जानकारी दी। अध्यक्षता कर रहे सुनील कुमार सिंह जी ने पिछले 2 वर्ष के कार्यकाल के क्रियाकलापों के बारे में सभी सदस्यों को अवगत कराया एवं भविष्य में होने वाले परियोजनाओं के बारे में

सभी को बताया इसके बाद कमेटी भंग करते हुए सुचारू रूप से नई कमेटी का गठन किया गया । जिसमें अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, सचिव रंजीत कुमार गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष प्रकाश कुमार जी को उपस्थित 86 सदस्यों के सहमति से बनाया गया। चुने गए पदाधिकारी को सदस्यों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर एवं माला पहनाकर

सम्मानित किया गया। साथ ही पदाधिकारी ने सलाहकार के रूप में मृत्युंजय प्रसाद को चुना। धनबाद डिस्ट्रिक्ट फोटोग्राफर्स ट्रेड एसोसिएशन के बैनर तले फेस्टिवल फोटो कंटेस्ट का आयोजन किया गया था जिसमें प्रथम आनंद कुमार विश्वकर्मा, द्वितीय हेमंत कुमार एवं तृतीय स्थान पर मोहन देव को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मनीष शाह, मंतोष लाल, सुबोध महाराज, सुभाष सरावगी, सुभाष रजक, मनोज राठौर, रवेश कुमार, अनूप साहू, संजय कुमार , सूरज रवानी, आनंद, मिथलेश, सुजीत गुप्ता, विवेक, इसरा उल हक, संजय सिंहा, प्रभास दे, श्याम, पिंरू दत्ता के साथ-साथ सभी सदस्यों का अहम योगदान रहा।

गिरिडीह में होगा सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन

17 नवंबर से 19 नवंबर तक तीन दिवसीय खेलो महोत्सव का होगा भव्य आयोजन

नवप्रदेश संवाददाता



गिरिडीह। युवाओं को खेल और फिटनेस के क्षेत्र में प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से गिरिडीह में आगामी नवंबर माह में सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया अभियान का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य युवाओं में खेल भावना और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना है। इसकी जानकारी

देते हुए। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देशन में इस आयोजन की तैयारी शुरू हो गई है। महोत्सव के दौरान जिले में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं

विवेक कुमार ने डेंटल काउंसिल के हित में अनेकों उल्लेखनीय कार्य किए हैं,डॉ विवेक कुमार के उल्लेखनीय प्रयास से देश के सभी 316 डेंटल कॉलेजों में बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को सुचारू रूप से कार्यान्वयन करने के साथ-साथ डेंटल सर्जरी कोर्स की सीटों को मान्यता देने की बात हो या फिर रिस्स के सभी विभागों में मास्टर आफ डेंटल सर्जरी में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की मांग जैसे अनेकों महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कार्य जो इन्होंने पूरी ईमानदारी और तत्परता के साथ डेंटल काउंसिल के लिए उल्लेखनीय व ऐतिहासिक कार्य करने का काम किया है।

आगे उन्होंने एवं कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित आईडीए झारखंड के अध्यक्ष डॉक्टर एन एन सिंह ने गिरिडीह ब्रांच के अध्यक्ष

डॉक्टर चंदन कुमार सिंह एवं सचिव डॉ बी के झा के प्रति विश्वास जताते हुए कहा की निश्चित रूप से इनके नेतृत्व में दंत चिकित्सा के क्षेत्र में गिरिडीह ब्रांच बेहतरी की और अग्रसर होगी, आगे उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी दंत चिकित्सकों, शिक्षाविदों और छात्र-छात्राओं को बधाई के साथ शुभकामनाएं दी।

उक्त कार्यक्रम में डॉ शरद कुमार,डॉ डीके भगत, डॉ अमृत आनंद, डॉ सुमन कुमार, डॉक्टर दीपक पांडा, डॉ मोहित कुमार, डॉ सौरव जगनानी,डॉ सौरभ कुमार तरवे एवं धनबाद से डॉ विजय प्रकाश,डॉ धीरज कुमार, डॉ विवेक प्रकाश एवं डॉक्टर सुमित कुमार सहित डेंटल एसोसिएशन के सभी डॉक्टर व सैकड़ो छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

झरिया-सिंदरी मेन रोड पर फिर एक बार गौफ, गैस रिसाव से लोगों में दहशत

नवप्रदेश/धनबाद/झरिया। झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग पर सूरगटंडु के पास फिर एक बार गौफ बन गया है. सड़क पर बनी गौफ से लगातार गैस रिसाव होने से स्थानीय लोगों मे दहशत का माहौल बन गया है। स्थानीय लोग लगातार हो रहे गोफ और गैस रिसाव का कारण



बीसीसीएल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगा रहे है. लोगों ने बताया कि यहां लगातार इस तरह की घटना घटती रहती है. बार-बार बीसीसीएल मिट्टी भराई करा कर सिर्फ लीपापोती कर रही है। अगर ऐसा ही रहा तो बड़ा हादसा हो सकता है। बनियाहीर के समीप ओबी डोंपिंग की गई है, जिसके कारण जमीन पर भार बढ़ गया है. अगर बोर होल कर नाइट्रोजन फॉर्मिंग की जाए तो सड़क सुरक्षित होगी अन्यथा इसे कोई नहीं बचा सकता. इसका सटीक समाधान वैज्ञानिक आधार पर किया जाना चाहिए. फिलहाल स्थानीय लोगों ने बैरिकेड लगा कर घटनास्थल को सुरक्षित करने का प्रयास किया है. लोगों ने मांग की है कि बीसीसीएल प्रबंधन और स्थानीय प्रतिनिधि इसका हल जल्द ढूंढ कर लोगों के जीवन को बचाएं. बताते चलें कि यह सड़क झरिया व सिंदरी को ही नहीं जोड़ती है बल्कि बोकारो, जमशेदपुर, पश्चिम बंगाल सहित कई जिलों को धनबाद से जोड़ती है. सबसे व्यस्त सड़क है. यह एनएच 218 के अंतर्गत है. सूचना मिलते ही बीबीसीएल के अधिकारी, भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजकुमार अग्रवाल, झरिया नगर अध्यक्ष अवधेश साव, पूर्व जिला उपाध्यक्ष उमेश यादव, भाजपा के मंडल मंत्री राहुल सिंह मौके पर पहुंच कर घटना स्थल का जायजा लिया. भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि झरिया विधायक रागिनी सिंह निर्देश पर हमलोग घटना स्थल पर पहुंचें हैं. विधायक ने दूरभाष पर ही बीसीसीएल के महाप्रबंधक को घटना से अवगत करा दिया है। विधायक के पहल पर मिट्टी का भराई काम शुरू किया गया है।

धनबाद जिला सीनियर फुटबॉल जिला लीग मैच का आयोजन

नवप्रदेश/धनबाद। रविवार को बिरसा मुंडा स्टेडियम में जिला फुटबाल संघ द्वारा संचालित जिला लीग के मैच में लीगेसी एक्सीलेंट बनाम बिरसा मुंडा फुटबॉल क्लब के बीच 1--1 गोल की बराबरी पर समाप्त हुआ। लीगेसी एक्सीलेंट के गौतम कुमार 27 वे मिनट में गोल किया जबकि बिरसा मुंडा क्लब के रविलाल हेब्रम 48 मिनट वे मिनट मे गोलकर मैच को बराबरी पर ले आया। इस अवसर पर संघ के महासचिव मुदुल बोस,कोषाध्यक्ष मो सलाउद्दीन, संयुक्त सचिव उदय मिश्रा,शिवा कुमार महतो ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच की शुरुआत कीए। मौके पर राजेश सिंह, संतोष रजक,संजय हेब्रम,जमादार सोरेन आदि उपस्थित थे। निर्णायक की भूमिका जेबियर टुडू, बबिश कुमार, सुदन लाल सोरेन, निरंजन महतो ने निभाया।



आपसी समन्वय के साथ तय समय सीमा के अंदर सभी तैयारियों को करें पूरा : उपायुक्त

राज्य स्थापना दिवस तथा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के जिला स्तरीय कार्यक्रम की तयारियों को ले उपायुक्त ने की समीक्षात्मक बैठक
विकासात्मक योजनाओं के शिलान्यास तथा उद्घाटन की तैयारियों को लेकर दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश



धनबाद। समाहरणालय सभागार में राज्य स्थापना दिवस, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं सरकार आपके द्वार को लेकर कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जिले से वरिय पदाधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान राज्य स्थापना दिवस, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को लेकर पूर्व के बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुगालन की प्रगति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर शुभाग्रम्भ/शिलान्यास/उद्घाटन हेतु प्रस्तावित योजनाओं एवं नियुक्ति पत्र वितरण समेत विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने तय

समय सीमा पर सभी कार्य को पूरा करने हेतु सभी कार्यकारी एजेंसी तथा विभाग के पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं राज्य स्थापना दिवस के 25वें वर्ष, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जिले में अनेक जनहितकारी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन को लेकर भी जिला खेल पदाधिकारी तथा जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को

रूप रेखा तय कर कार्यक्रम को भव्य बनाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। कार्यक्रमों की शुरुआत एलईडी वैन के फ्लैग-ऑफ से होगी, जिसके माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इस दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्ट्रीट ड्रास एवं फ्लैश मांब के जरिए जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। साईकिल रैली निकाली

जाएगी, जो जिले के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचेगी। इसके साथ ही वॉल पेंटिंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विद्यार्थियों और स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मौके पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, निदेशक डी आर डी ए राजीव रंजन समेत विभिन्न विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहे।



नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद रेल मंडल में अक्टूबर माह 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए समापक भुगतान एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अक्टूबर माह 2025 में कुल 28 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए, जिनके सभी समापक भुगतान कर दिए गए। धनबाद मंडल प्रशासन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समापक भुगतान को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और उनके हितों की रक्षा हेतु सदैव प्रतिबद्ध है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सुविधा के लिए समापक भुगतान की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं त्वरित बनाने की दिशा में मंडल द्वारा निरंतर सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक और अखिलेश मिश्र द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया तथा रेल सेवा के दौरान उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया गया तथा उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान एवं सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

एक नजर

बारिश से धान की खेतों में हुए नुकसान की भरपाई की जाएं



नवप्रदेश/धनबाद। जिले में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया है। ठंड के साथ बारिश भी होने लगी है। जिससे किसान सकते में हैं। लेकिन इन दिनों हो रही बारिश से किसानों की परेशानी और अधिक बढ़ा दी है। बारिश के कारण धान की फसलों में भी नमी आ गई है, खेतों में दुकान की फसल बर्बाद होने के कगार पर है। इस पर वार्ड 29 के भावी पार्षद प्रत्याशी सह समाजसेवी सणू महतो उर्फ नागेश्वर महतो ने धान के खेतों पर जाकर वहां का निरिक्षण किया। विपिन जगह पर दर्जनों किसानों से मुलाकात किया। उन्होंने राज्य सरकार से मांगा किया कि किसानों को हुए नुकसान की भरपाई किया जाए।

धनबाद में सभी 10 ब्लड बैंक की हो रही है जांच, बनाई गई है तीन टीम, जल्द आयेगी रिपोर्ट



नवप्रदेश/धनबाद। झारखंड के चाईबासा में चार बच्चों को एचआईवी का इंजेक्शन दिए जाने के बाद राज्य सरकार एक्टिव मोड में है। सरकार ने सभी जिलों के स्वास्थ्य विभाग से ब्लड बैंक की जांच रिपोर्ट मांगा है। धनबाद सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक विश्वकर्मा ने कहा कि जिले में 10 ब्लड बैंक है। जिसमें एसएनएमएमसीएच, सदर अस्पताल और निजी अस्पताल भी शामिल है। सभी का इंटरनल एसिस्टेंट चल रहा है, ब्लड का 35 प्वाइंट पर जांच चल रहा है। इसमें चिकित्सक की तीन टीमें जांच कर रही है। इसके बाद जांच रिपोर्ट को रांची भी भेजी जाएगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि ब्लड को ब्लड बैंक में जमा करने से पहले उसकी जांच की जाती है। जिसमे मल्टीपल सेक्स कॉन्टैक्ट, अल्कोहल, इत्यादि की जांच होती है।

स्थायीकरण और समान वेतन की मांग पर अई सहायक शिक्षक



नवप्रदेश/धनबाद। झारखंड के सहायक अध्यापक अपनी मुख्य मांगों स्थायीकरण और समान काम के लिए समान वेतन को लेकर आंदोलन तेज कर चुके हैं। इन्हीं मांगों को लेकर 5 नवंबर को शिक्षकों द्वारा राज्य के शिक्षा मंत्री सुदिव्य सोनू के आवास घेराव की तैयारी की जा रही है। आंदोलन को सफल बनाने के लिए पूरे राज्य में बैठकों का दौर जारी है। इसी कड़ी में झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा, धनबाद इकाई की बैठक रविवार को धनबाद के गोलफ ग्राउंड में आयोजित की गई, जिसमें जिले के सभी सहायक अध्यापक शामिल हुए। सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष अशोक चक्रवर्ती ने बताया कि लंबे समय से काम करने के बावजूद हमें न तो स्थायी दर्जा दिया गया है और न ही समान वेतन। सरकार सिर्फ आश्वासन देती रही है। अब हम अपनी मांगों को मनाकर ही आंदोलन समाप्त करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि धनबाद जिले में लगभग 2,460 सहायक शिक्षक कार्यरत हैं, जबकि पूरे झारखंड में इनकी संख्या करीब 60 हजार है। फिर भी इनकी समस्याओं पर सरकार गंभीर नहीं दिखती।

गोपीकांदर पुलिस ने हत्या के आरोपी को लिया कब्जे में



नवप्रदेश/दुमका। झारखंड के उपराजधानी दुमका जिले गोपीकांदर पुलिस को मिली कामयाबी । दिनांक- 01.11.2025 को वादिनी श्रीपुल्ल हेन्‍ड्रम पति दीनानाथ मुर्मू सा० कुरुवा दुधानी थाना नगर जिला दुमका को फर्दबगान प्राप्त हुआ जिसके आधार पर गोपीकान्दर थाना काण्ड सं० 34/2025 दिनांक- 01.11.2025 धारा 103 (1) भारतीय न्याय संहिता 2023 के विरुद्ध रामजन हेन्‍ड्रम पिता स्व० चुड़का हेन्‍ड्रम सा० मधुवन थाना गोपीकान्दर जिला दुमका के द्वारा दिनांक 28.10.2025 को समय 12.00 बजे रात्रि ग्राम भद्रादीचा थाना गोपीकान्दर जिला दुमका में वादिनी के मां मुनी सोरेन उम करीब 70 वर्ष पति स्व० चुड़का हेन्‍ड्रम को चाकू मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर देने तथा इलाज के दौरान दिनांक 31.10.2025 को समय 11.00 बजे फुलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका में मृत्यु हो जाने के आरोप में दर्ज किया गया। काण्ड अनुसंधान के क्रम में दिनांक 01.11.2025 को समय करीब 18.40 बजे प्रा०अभि० रामजन हेन्‍ड्रम उम करीब 41 वर्ष पिता स्व० चुड़का हेन्‍ड्रम सा० मधुवन थाना गोपीकान्दर जिला दुमका को विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा इनका निशानदेही पर दिनांक- 02.11.2025 को समय करीब 08.56 बजे ग्राम भद्रादिप्‍था थाना गोपीकान्दर जिला दुमका से घटना में प्रयुक्त चाकू को विधिवत बरामद किया गया।

एकतल्ला में अवैध बालू ले जाते टैक्टर जब्त

नवप्रदेश/दुमका। शविवार के रात्रि एक बजे रानेश्वर थाना अंतर्गत रानेश्वर शिवडी मुख्य मार्ग एकतल्ला में अवैध बालू ले जाते टैक्टर को जब्त किया गया। टैक्टर मालिक, चालक एवं सॉलिट व्यक्तियों के खिलाफ रानेश्वर थाने में प्राथमिकी दर्ज करवायी है। डीएमओ आनंद कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर खान निरीक्षक गौरव कुमार सिंह के नेतृत्व में शनिवार के रात्रि एक बजे रानेश्वर-शिवडी मुख्य मार्ग एकतल्ला घाट पुल के समीप में छापेमारी की गयी। छापेमारी के दौरान एक टैक्टर द्वारा बालू का परिवहन करते देखा गया। जांच दल को देख टैक्टर चालक वाहन छोड़ कर भाग गया। इसके उपरांत अवैध बालू समेत टैक्टर को जब्त कर लिया गया एवं टैक्टर चालक, मालिक एवं सॉलिट व्यक्तियों के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज करवायी गयी।

सर्वोत्तम प्रयास फाउंडेशन ने कुछ अस्पताल गोविंदपुर में किया नि:शुल्क भोजन वितरण

नवप्रदेश/धनबाद। सर्वोत्तम प्रयास फाउंडेशन एवं सेफजोन डिजिटल असेट्स के तत्वाधान में संस्था के चेयरमैन सह समाजसेवी सुबल दास के नेतृत्व में रविवार को निर्मला जरनल एवं कुछ अस्पताल कौवाबोंध, गोविंदपुर, धनबाद (झारखंड) में रविवार को नि:शुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम के तहत वहां के सैकड़ो मरीजों के बीच फल एवं भोजन नि:शुल्क वितरण किया । जिसमें संस्था के काफी संख्या में लोग उपस्थित होकर इस कार्यक्रम में हिस्सा लिए। यहां अपने संबोधन में संस्था के चेयरमैन सुबल दास ने कहा कि संस्था का विधिवत उद्घाटन कल एक नवंबर 2025 को किया गया है तथा अपने संकल्प के अनुसार तुरंत अपने प्रभाव से संस्था की ओर से समाजसेवा के तहत यहां सड़ तरे का कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह का कार्यक्रम जनहित व समाज हित में आगे भी जारी रहेगा। श्री दास ने कहा कि ऐसा अब लगातार झारखंड सहित देश के सभी प्रांतों में धारावाहिक रूप से जनहित में कार्यक्रम संचालित करने का संस्था द्वारा निर्णय लिया गया है।

आरएसएस पर रोक, कांग्रेस और मल्लिकार्जुन खरगे

डॉ. मयंक चतुवेदी

खरगे का बयान ऐसे समय आया है जब बिहार विधानसभा चुनाव अपने निर्णायक दौर में हैं। कांग्रेस का यह कदम चुनावी राजनीति के संदर्भ में समझा जा रहा है। वह चुनावी लाभ के लिए आरएसएस के बहाने भाजपा को चुनावी सफलता से दूर रखना चाहती है। यदि इतिहास में जाकर इस मामले की समीक्षा करें तो स्थिति स्वतः ही पूरी तरह से स्पष्ट हो जाती है। आरएसएस पर प्रतिबंधों का इतिहास यह है कि संगठन पर स्वतंत्र भारत में अब तक तीन बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है और दो बार कांग्रेस की सरकार के दौरान वापस भी लिया गया।



भारत का राजनीतिक परिदृश्य एक बार फिर वैचारिक बहस के केंद्र में है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल का हवाला दिया, जिससे देशभर में राजनीतिक हलचल देखी गई। गृह मंत्री अमित शाह ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी ओर कहा, आरएसएस दुनिया की सबसे बड़ी स्वयंसेवी संस्था है, जिसने करोड़ों युवाओं को राष्ट्रसेवा और समाज निर्माण की दिशा दिखाई है।

वस्तुतः खरगे का बयान ऐसे समय आया है जब बिहार विधानसभा चुनाव अपने निर्णायक दौर में हैं। कांग्रेस का यह कदम चुनावी राजनीति के संदर्भ में समझा जा रहा है। वह

चुनावी लाभ के लिए आरएसएस के बहाने भाजपा को चुनावी सफलता से दूर रखना चाहती है। यदि इतिहास में जाकर इस मामले की समीक्षा करें तो स्थिति स्वतः ही पूरी तरह से स्पष्ट हो जाती है। आरएसएस पर प्रतिबंधों का इतिहास यह है कि संगठन पर स्वतंत्र भारत में अब तक तीन बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है और दो बार कांग्रेस की सरकार के दौरान वापस भी लिया गया।

तथ्य यह है कि पहला प्रतिबंध 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के बाद लगा। नाथूराम गोडसे के संघ से जुड़ाव के संदेह के आधार पर तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल ने संगठन को बैन किया। करीब 17,000 स्वयंसेवक जेल भेजे गए और संघ की शाखाएँ बंद कर दी गईं। किंतु बाद में जांच में यह स्पष्ट

हुआ कि गांधीजी की हत्या में संघ का कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हाथ नहीं। सरदार पटेल ने स्वयं 27 फरवरी 1948 को जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखकर स्वीकार किया कि गांधी हत्या के आरोपों में से 90 प्रतिशत अटकलों और झूठी बातों पर आधारित हैं। बाद में जुलाई 1949 में सरकार ने बिना किसी शर्त के संघ से प्रतिबंध हटा लिया। स्वयं पटेल ने लिखा, संघ पर से प्रतिबंध हटने पर मुझे अत्यंत प्रसन्नता है। यह

तथ्य कांग्रेस के उस दावे को कमजोर करता है, जिसके आधार पर आज फिर से संघ पर प्रतिबंध लगाने की बात कही जा रही है। दूसरा प्रतिबंध 1975 में आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी सरकार ने लगाया। उस समय संघ लोकतंत्र बहाली के लिए विपक्ष के साथ खड़ा था। 21 महीनों तक हजारों स्वयंसेवक जेलों में रहे, लेकिन जब जनता ने 1977 में इंदिरा सरकार को सत्ता से बाहर किया, तो संघ का जानाधार पहले से कहीं अधिक मजबूत होकर उभरा। तीसरा प्रतिबंध दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद लगा। लेकिन अदालतों में सरकार संघ के खिलाफ कोई ठोस प्रमाण नहीं रख सकी। कुछ महीनों में यह प्रतिबंध भी हट गया। इन तीनों

घटनाओं ने एक बात स्पष्ट कर दी कि प्रतिबंध संघ को कमजोर नहीं कर सकते, क्योंकि वह कोई ऐसा कार्य नहीं करता जिससे भारतीय संविधान का उल्लंघन होता है।

सरदार पटेल और संघ का वास्तविक संबंध

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सरदार पटेल का हवाला देकर संघ के खिलाफ बयान दिया, लेकिन इतिहास इसके विपरीत गवाही देता है। पटेल और संघ के तत्कालीन सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के बीच संवाद कायम था। 16 जुलाई 1949 को पटेल ने वेंकटराम शास्त्री को पत्र लिखकर कहा था, मैं स्वयं प्रतिबंध हटाने के पक्ष में था। संघ से प्रतिबंध हटने के बाद उन्होंने गुरुजी को पत्र लिखकर अपनी खुशी प्रकट की। यह वही पटेल हैं जिन्होंने सलाह दी थी कि यदि आरएसएस को लगता है कि कांग्रेस गलत दिशा में जा रही है, तो सुधार का रास्ता भीतर से निकालिए, विरोध से नहीं। इस संवादाशील दृष्टिकोण से स्पष्ट है कि भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल संघ के राष्ट्रसेवी चरित्र को समझते थे, भले ही विचारों में मतभेद रहे हों। ऐसे में आज जब

कांग्रेस उन्हीं पटेल का नाम लेकर संघ पर प्रतिबंध की मांग करती है, तो यह ऐतिहासिक तथ्यों के आधे-अधूरे उपयोग का उदाहरण बन जाता है। ऐसा लगता है जैसे वह देश की जनता को गुमराह कर रही है।

आरएसएस का कार्यक्षेत्र राजनीति से परे समाज के बीच सेवा के रूप से व्यापक तौर पर फैला हुआ है। शिक्षा, ग्राम विकास, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता में संघ का योगदान बहुत विस्तारित है। 1962 के चीन युद्ध में स्वयंसेवकों ने सीमाओं पर सैनिकों की मदद की और इसी सेवा भाव से प्रभावित होकर प्रधानमंत्री नेहरू ने 1963 में गणतंत्र दिवस परेड में संघ को भाग लेने का निर्मंत्रण दिया। यह तथ्य आज के राजनीतिक विवादों के बीच अक्सर भुला दिया जाता है।

सोधे तौर पर जो दिखाई दे रहा है, वह यही है कि कांग्रेस को भय है कि संघ की बढ़ती सामाजिक स्वीकार्यता उसकी पारंपरिक वोटबैंक राजनीति के लिए चुनौती है। उसे लगता है कि वह तमाम जाति भेद उभारने, एक वर्ग विशेष को लेकर तुष्टीकरण

करने के बाद भी यदि सफल नहीं हो पा रही है तो इसके लिए कहीं न कहीं आरएसएस के स्वयंसेवक जिम्मेदार हैं, जो हर परिस्थिति में भारत के जन की एकता पर जोर देते हैं। इसलिए समय-समय पर आरएसएस पर प्रतिबंध या उसकी आलोचना कांग्रेस के लिए वैचारिक एकजुटता का साधन बन जाती है। किंतु इस सब के बीच एतिहासिक तथ्य यही कहते हैं कि ऐसे हर प्रयास जो संघ को रोकने के लिए किए जाते हैं, उसमें हर स्तर पर आरएसएस और सशक्त होकर ही सभी के सामने आया है।

यहां आरएसएस के सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के कहे शब्दों पर भी गौर करना सही होगा, उन्होंने खरगे की मांग को अवास्तविक और इतिहासविहीन बताया है। उनका साफ कहना है कि किसी संगठन पर प्रतिबंध केवल इच्छा या असहमति के आधार पर नहीं लगाया जा सकता। गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूपीए) जैसे कानूनों के तहत तभी कार्रवाई संभव है जब संगठन हिंसा, आतंक या राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल पाया जाए। संघ के मामले में ऐसा कोई आरोप या सबूत नहीं है। संघ के

संदर्भ में समाज और न्यायपालिका दोनों ने पहले भी इस तरह के प्रतिबंधों को गलत माना है। वास्तव में, संघ अब केवल संगठन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का पर्याय बन चुका है। 1948, 1975 और 1992 के प्रतिबंध इस तथ्य के साक्ष्य हैं कि आरएसएस को दबाने की कोशिशें हर बार विफल हुईं।

अतः मल्लिकार्जुन खरगे का बयान सही तथ्यों पर आधारित नहीं है, वह एक राजनेता हैं और यहां भी सिर्फ वे अपने लाभ के लिए स्वार्थ की राजनीति ही कर रहे हैं। क्योंकि सरदार पटेल ने कहा था, संघ को कांग्रेस से मतभेद हो सकता है, पर उसका देशभक्ति से कोई विरोध नहीं। यह वाक्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना साल 1949 में था। उन्हें यह समझना होगा कि राजनीति में असहमति आवश्यक है, पर राष्ट्रसेवा के भाव को संदेह के घेरे में रखना लोकतांत्रिक चेतना के विपरीत है। कहना होगा कि संघ से असहमति रखने का अधिकार सबको है लेकिन उसके योगदान को नकारना इतिहास की सच्चाई से आँखें मूँद लेने जैसा होगा। संघ का मूल विचार यही है, देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें।

सामूहिक विफलता से उपजी त्रासदी



राजधानी क्षेत्र समेत देश के विभिन्न शहरों में प्रदूषण जिस घातक स्तर तक पहुंचा है, वह हालात के गंभीर होने की ओर इशारा तो करता ही है। एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने दिल्ली को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर का खिताब भी दिया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अस्पतालों में प्रदूषणजनित रोगों का उपचार

कराने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जीवन के संघर्ष में रोजी-रोटी की कवायद में जुटे लोगों को यह अहसास भी नहीं होता है कि वे दिन में कितनी जहरीली हवा निगल रहे हैं। हमारे शहर केंद्रित विकास की विसंगतियां हैं। शहरों में उगते कंक्रीट के जंगल न केवल हवा के प्राकृतिक प्रवाह को

बाधित कर रहे हैं बल्कि वाहनों के सैलाब को भी बढ़ावा दे रहे हैं। विडंबना यह है कि इसके बावजूद राजनीतिक दलों व सरकारों में वह इच्छाशक्ति नजर नहीं आती, जो इस संकट के कारगर समाधान की राह दिखाती हो।

निश्चित तौर पर प्रदूषण संकट की यह जानलेवा स्थिति हमें शर्मसार करने वाली है। यह हमारी सामूहिक विफलता की

तसवीर भी उकेरती है। सर्दियों का मौसम आते ही दिल्ली व निकटवर्ती शहरों में जो प्रदूषण का बड़ा संकट दिखायी देता है, आखिर उसे साल भर सतर्कता के साथ क्यों नहीं देखा जाता। देश में आर्थिक असमानता व गरीबी के चलते लाखों लोग व बच्चे उन अस्वस्थकारी परिस्थितियों में काम करने को बाध्य हैं, जो कालांतर जानलेवा रोगों का सबब बनती हैं। देश में करोड़ों बाल श्रमिक पटाखा, कालीन और अन्य सांस के रोगों का संकट बढ़ाने वाले उद्योगों में काम कर रहे हैं। व्यवस्था का भ्रष्टाचार नियामक एजेंसियों को हिलने तक नहीं देता। दरअसल, यह प्रदूषण मौसमी बदलाव, पटाखों या पराली जलाने से ही नहीं पैदा होता। दरअसल, इसके मूल में शासन-प्रशासन की वह विफलता भी शामिल है, जो वातावरण को जहरीला बनाने वाले उद्योगों तथा निर्माण में उड़ने वाली धूल की सतर्क निगरानी नहीं करती। दरअसल, हमारे जीवन की कृत्रिमता व सुविधाभोगी

जीवनशैली ने उन घातक गैसों को बढ़ावा दिया जो ग्लोबल वार्मिंग व प्रदूषण की कारक बनती हैं। इस समस्या का एक पहलु यह भी है कि देश की जनता इस आसन्न संकट के प्रति लगातार उदासीन बनी रहती है। वह चुनावों के दौरान न तो राजनेताओं पर इस संकट के समाधान के लिये दबाव बनाती है और न ही निजी जीवन में ऐसी कोई पहल करती है। इस तरह कहीं न कहीं इस प्रदूषण वृद्धि में हमारी भागीदारी बनी हुई है। अब भले ही कार्बन उत्सर्जित करने वाले ईंधन के उपयोग में कमी आई है, लेकिन अभी भी इस दिशा में काम करने की जरूरत है। हम निजी जीवन में जितनी स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देंगे, उतना ही प्रदूषण धीरे-धीरे कम होता जाएगा। जनता को शासन-प्रशासन पर दबाव बनाना चाहिए कि वह समय रहते प्रदूषण नियंत्रण के लिये प्रयास करे। व्यक्ति के तौर पर हमें पटाखे व पराली जलाने वालों की निगरानी करनी होगी, ताकि प्रदूषण का स्तर कम करने में हमारी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

ज्ञान के प्रकाश से समाप्त होती है माया

जीवन प्रकृति का उपहार है। कोई जन्म लेता है। जन्मा शिशु हंसता है। हाथ-पैर चलाता है। परिवार छोटे बच्चों को बढ़ता हुआ देखकर प्रसन्न होता है। फिर आती है जीवन की चुनौतियां। दुख आते हैं। सुख आते हैं। वे बारी-बारी से आते-जाते हैं। परिवार बढ़ता है। वह वृहत्तर समाज का अंग हो जाता है। वह जैसा चाहता है, वैसा नहीं होता तो उसे दुख होता है। दुख और सुख आते-जाते हैं। दुख स्वयं निरपेक्ष नहीं है। दुख-सुख का अभाव है। दुख का मुख्य कारण आसक्ति है। माना जाता है, माया मोह में फंसकर व्यक्ति दुखी रहता है। बुद्ध ने माया को ही समस्या का जड़ माना है।

शब्द माया लोक जीवन में बहुत चलता है। संसार के प्रति आसक्ति के लिए भी माया शब्द का प्रयोग होता है। तब उसे माया मोह कहते हैं। संसार को कागज की पुड़िया बनाने वाले संत कबीर भी माया को ठगनी बताते हैं। एक पूरी सभ्यता को ही माया सभ्यता कहा जाता है। माया सभ्यता के दक्षिणी मेक्सिको से लेकर ग्वाटेमाला बेलीज पश्चिमी होट्टुरस और एल साल्वाडोर तक फैली हुई थी ऋग्वेद में एक शब्द आया है ऋधु। ऋधु कारीगर हैं। एक मंत्र के अनुवाद में ऋधुओं द्वारा बहुत सुंदर स्थापत्य बनाने की प्रशंसा की गई है। माया किसी ने किसी रूप में भारत के मन में बहुत गहराई से बैठी हुई प्रतीत होती है। तुलसीदास भी सांसारिक दुखों का कारण माया बताते हैं। माया



प्रभावित जीव दुखी रहते हैं। माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है- जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य व्यववस्थित है। यह परमार्थतः ब्रह्म ही एकमात्र सत है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है।

ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है। लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते। उनके अनुसार जगत में उन्हें जगत जीव प्रपंच के अनुभव दिखाई पड़ते हैं। वैसे भी विद्वतजनों में मतभेद बने रहना स्वाभाविक है। मूलभूत प्रश्न है कि इस संसार के सारे प्रपंच और ब्रह्म से उनके सम्बंध क्या हैं? संसार में जैव विविधता है। मत भिन्नता भी है। जीवन के बारे में अनेक दृष्टिकोण हैं। कुछ मानते

हैं कि यह जीवन और जगत किसी सर्वशक्तिशाली परम शक्ति के द्वारा दिया गया है। उसे ईश्वर की संज्ञा दी गई है, लेकिन कुछ ऐसे चिंतक विचारक भी हैं, जो जीवन जगत के लिए प्रकृति की शक्तियों पर निर्भर हैं। अद्वैत वेदांत में केवल ब्रह्म को ही माना गया है। उनका ब्रह्म संसार नहीं बनाता। शंकराचार्य ने ब्रह्म को मात्र एक परमात्मिक सत्ता बताया है। फिर प्रत्यक्ष संसार की गतिविधियों का रहस्य क्या है? प्रत्यक्ष भौतिक जगत को माया रूप देखना तथ्यगत नहीं जग पड़ता। शंकराचार्य के अनुसार माया भावात्मक है। अविद्या अभावात्मक है। सूर नर मुनि भी माया के पाश में बंधे रहते हैं। माया में प्रतिबिंबित ब्रह्म ईश्वर है, किंतु विद्या में प्रतिबिंब ब्रह्म जीव है। माया ईश्वर को भी प्रभावित करती है, जबकि अविद्या जीव को प्रभावित करती है। अविद्या त्रिगुणात्मक है। अज्ञान, अव्यक्त, अनिर्वचनीय, भ्राति आदि शब्द एक जैसे हैं।

इस तरह माया जड़ है और अपनी सत्ता के लिए ब्रह्म पर आश्रित है। उपनिषदों में विद्या और अविद्या शब्द आए हैं। कुछ विद्वान मानते हैं कि आसक्ति के कारण यह संसार खूबसूरत दिखाई पड़ता है। दुख आने पर यह संसार वैसा नहीं दिखाई पड़ता जैसा हम सोचते हैं। दर्शन में ऐसे प्रश्नों पर गंभीर विचार हुआ है। प्रश्न है कि, यह विश्व किस तरह अस्तित्व में आया? क्या इसे किसी ने बनाया है? क्या यह सदा से है? अगर किसी देव शक्ति ने बनाया है, तो इस रचना के पहले कुछ तो रहा ही होगा? कोई वस्तु पदार्थ अथवा अणु परमाणु शून्य से नहीं पैदा हो सकते।

वैदिक काल से लेकर उपनिषद काल तक यह धारणा रही है कि ईश्वर शासक नहीं है। वह करुणानिधान है। वह सर्वशक्तिमान सत्ता है। जो समस्या भारत में ऋषियों के सामने थी, वही समस्या यूनानी दार्शनिकों के मध्य विचाराणीय थी। शंकराचार्य ने स्वयं कहा है कि माया और अविद्या में कोई भेद नहीं है। सांख्य दर्शन द्वैतवादी है। शंकराचार्य ने सांख्य दर्शन के द्वैतवाद का खंडन किया है और सांख्य के पुरुष तत्व को ब्रह्म या आत्मा का आसन दिया। माया अनादि है, लेकिन अनंत नहीं है। माया की शुरूआत तक हुई पता नहीं। अनादि और अनंत में फंक् होते हैं। अनादि वह तत्व है जो सदा से है और अनंत का अर्थ, जिसका अंतिम छोर पता नहीं। शंकराचार्य के अनुसार माया ज्ञान

के सामने नहीं बचती। अनादि होकर भी अनंत न होना स्वाभाविक है। वस्तुतः माया ज्ञान प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है।

माया अजर-अमर नहीं है। वह ज्ञान से बाधित है। माया ज्ञान के समक्ष नहीं बच पाती। यह अभावात्मक भी नहीं है। यदि यह केवल अभाव रूप होती तो इससे सृष्टि का उद्भव असंभव होता। संसार भ्रम से भरा पुरा है। इस तरह माया सत् नहीं है। ब्रह्म से स्वतंत्र उसकी कोई सत्ता नहीं है। माया को सत या असत नहीं कहा जा सकता। माया सत नहीं है। यह यथार्थ ज्ञान से तिरोहित हो जाती है। माया की कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं है। वह अस्त भी नहीं है। वह जगत् को आरोपित करती है। इसी तरह का माया जैसा एक आंतरिक अनुभव अध्यास है, जो वस्तु नहीं है। उसका अनुभव करना अध्यास है। माया भी ऐसी है। जिस प्रकार रस्सी को सांप समझने तक सत्य का पता नहीं चलता। वहां सांप वास्तव में नहीं होता, लेकिन अनंत का कारण वह प्रभावी रहता है। माया का आश्रय ब्रह्म है। माया ब्रह्म रहती है और संसार के आविर्भाव के लिए ब्रह्म को ही अपना विषय बनाती है। अपने सारे काम करते हुए वह प्रभावित नहीं होती। ब्रह्म भी प्रभावित नहीं होता। माया और अध्यास एक जैसे दिखाई पड़ते हैं, मगर हैं नहीं। माया संसार रचती है। अध्यास के तीन घटक बताए गए हैं। अधिष्ठान, अध्वस्त, अध्वस्त वस्तु और

आरोप। यहां अधिष्ठान वह तत्व है जो अध्यास काल में उपस्थित है। शंकराचार्य के अनुसार अध्यास का कारण अविद्या है। अविद्या का मतलब अज्ञान नहीं होता। विद्या और अविद्या शब्द उपनिषदों से आए हैं। अविद्या का अर्थ है प्रत्यक्ष संसार की वस्तुओं और आचार विचार की सारी कार्यवाहियों का ज्ञान और विद्या का मतलब है परम तत्व का ज्ञान। ईशावास्योपनिषद के एक मंत्र में कहते हैं कि जो विद्या के उपासक हैं, वे अंधलोकों में जाएंगे और जो विद्या के उपासक हैं। वे भी अंधलोकों में जाएंगे। सांसारिक ज्ञान अविद्या है। अविद्या और विद्या आध्यात्मिक ज्ञान है। साधक दोनों की जानकारी के लिए उपासना करें। अविद्या से जुड़े होने के कारण अध्वस्त के गुण दोष का कोई प्रभाव अधिष्ठान पर नहीं पड़ता। पुराना उदाहरण लें, अध्यास के प्रभाव में रस्सी सांप नहीं बन जाती। वह सांप जैसी प्रतीत होती है। इससे संप ज्ञान बाधित होता है। शंकर के अनुसार अध्वस्त वस्तु अपने मूल रूप में बनी रहती है। इसे असत नहीं कहेंगे। भ्रम काल में भी उसका अनुभव होता है और यह वस्तुतः सही नहीं होता है। हम भारतवासी अध्यात्मबोध को श्रेष्ठ मानते हैं। लेकिन ऐसा बोध माया की सीमा तक जाता है। माया की सीमा है। वह अनंत नहीं है।



बिहार विधानसभा (विस) चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी महागठबंधन ने अपना चुनावी पिढारा खोल दिया है। अब प्रदेश की जनता को किसका पिढारा कितना पसंद आता है, यह गठबंधन दलों के पक्ष में होने वाला मतदान तय करेगा। राजग और महागठबंधन दोनों के संकल्प पत्रों का तुलनात्मक अध्ययन प्रदेश की जनता राजनीतिक दलों के आधार पर करेगी क्योंकि ये दोनों मजबूत गठबंधन हैं। दोनों के संकल्प पत्रों की तुलना करने के लिए जनता को उनके घोषणापत्रों को बरीकी से देखना होगा और फिर उनके प्रमुख बिंदुओं, जैसे अर्थव्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित वादों की तुलना समाझदारी से करनी होगी। बिहार में दो बड़े राजनीतिक दलों के समूह ने अपने-अपने संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) जारी कर मतदाताओं को तुरफ की कोशिश की है। एक तरफ सत्ताधारी राजग का संकल्प पत्र, बड़े पैमाने पर रोजगार और विकास का सपना बुनता है तो विपक्षी महागठबंधन का प्रण पत्र, युवाओं और महिलाओं को आर्थिक लाभ का वादा करता है। लेकिन क्या ये वादे सिर्फ चुनावी हैं या बिहार के 13 करोड़ लोगों के लिए सच्ची दिशा? इस पर बिहारवासियों को गहराई से सोचना होगा। बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखें नजदीक आते ही राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। महागठबंधन ने 27 अक्टूबर को पटना में प्रण पत्र जारी किया। मुख्य वादों में हर परिवार को एक सरकारी नौकरी, महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपये की सहायता, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, 500 रुपये में गैस सिलिंडर, 25 लाख तक मुफ्त इलाज और पुरानी पेंशन योजना की बहाली शामिल है। राजग ने इसे तुरंत असंभव सपने करार देते हुए 31 अक्टूबर को पटना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नन्दा की अगुवाई में संकल्प पत्र पेश किया। यह घोषणा पत्र विकसित बिहार के विजन पर आधारित है, जिसमें 1 करोड़ सरकारी नौकरियां, 1 करोड़ लखपति दीर्घाय (महिलाओं को) 2 लाख रुपये की सहायता), हर फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी, 125 यूनिट मुफ्त बिजली,

और बड़े आधारभूत संरचनाओं से संबंधित परियोजनाएं (इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स) जैसे एक्सप्रेस-वे और मेट्रो का विस्तार शामिल है। नीतीश कुमार और चिराग पासवान जैसे सहयोगियों के बीच एकजुटता दिखाते हुए राजग ने इसे सुशासन का संकल्प बताया, जो पिछले 20 सालों के विकास को आगे बढ़ाएगा। राजग के घोषणापत्र में नक करोड़ से ज्यादा सरकारी नौकरी का वादा है। हर जिले में मेगा रिफ्ल सेंटर बनाने का भी वादा किया गया है। राजग ने एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीर्दी बनाने का लक्ष्य रखा है। किसान सम्मान निधि को 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार करने का वादा किया गया है। बिहार के किसानों को सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी का वादा भी दिया है। ईबीसी वर्ग के लोगों को 10 लाख तक की आर्थिक मदद दी जाएगी। स्कूलों में मिड डे मील में पौष्टिक नाश्ता बच्चों को देने का वादा भी किया गया है। बिहार में राजग की वापसी हुई तो 50 लाख त्रप पक्के मकान, मुफ्त राशन, 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली का भी वादा किया गया है। बिहार के 4 नए शहरों को मेट्रो की सीमागत को भी वादा दिया गया है। पटना, दरभंगा, पूर्णिया, भागलपुर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों की शुरुआत की जाएगी। घोषणापत्रों के विश्लेषण की बात करें तो प्रण पत्र बिहार की पिछड़ी जातियों, दलितों और मुसलमानों को लक्षित करता है, जो उसका वोटबैंक माना जाता है। दूसरी ओर, राजग का संकल्प डबल इंजन सरकार के फायदों को गिनाते हुए मोदी-नीतीश के राष्ट्रीय ब्रांड पर टिका है। राजग नेताओं ने प्रण पत्र को असंभव उहराया, दावा किया कि महागठबंधन के पास फंडिंग का इंतजाम नहीं। चुनाव के पहले चरण की वोटिंग 6 नवंबर से शुरू हो रही है और ये घोषणा पत्र मतदाताओं का विश्वास जीतने का आखिरी मौका है। सुशासन, बेरोजगारी (40 प्रतिशत युवा प्रभावित) और महंगाई मुख्य मुद्दे हैं। जनता के सामने दोनों पक्ष के दावेदारों के मजबूत चुनावी वादे और दावे हैं। अब बिहार के मतदाता तय करेंगे कि किसके वादों और काम पर उसका कितना विश्वास और भरोसा है।

संत श्री विज्ञान देव जी महाराज के जन्मदिन के अवसर पर विहंगम योग संस्थान ने किया रक्त दान

आपके रक्त दान से बचेंगे कई लोगों की जान, रक्त दान सबसे बड़ा धार्मिक कार्य है : गौरांग महतो

अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में लगाया गया शिविर कुल 22 यूनिट हुआ रक्त दान

नवप्रदेश संवाददाता

हुसैनाबाद। अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में शिविर लगा कर विहंगम योग संस्थान ने रक्त दान किया यह कार्यक्रम स्ववैद कथामृत के प्रवर्तक सुपुंज्य संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर किया गया विष्व व्यापी रक्तदान शिविर के तहत 1नवंबर को हुसैनाबाद में यह आयोजन हुआ,कार्यक्रम में अनुमंडलीय प्रशासन भूमि सुधार उप समाहर्ता हुसैनाबाद गौरांग महतो,एवं अनुमंडल चिकित्सा प्रभारी उपाधीक्षक डॉ संजय कुमार रवि संस्था के परामर्श सुरेंद्र प्रसाद सिंह एवं पलामू जिला सह संयोजक राजेश भारद्वाज आदि ने संयुक्त रूप से सदुरु के चित्र पर माल्यार्पण एवं अखंड दीप प्रज्वलित कर रक्तदान शिविर का प्रारंभ कराया।मौके पर एलआरडीसी गौरांग महतो ने कहा कि आपके रक्त दान से कई लोगो



की जीवन दान मिलेगा रक्त दान दुनिया के सबसे बड़ा धार्मिक व सामाजिक कार्य है।उन्होंने विहंगम योग संस्थान के द्वारा मानवता वादी

कार्य करने के लिए साधुवाद दिया और कहा की प्रत्येक वर्ष बड़ा ही सराहनीय कार्य किया जा रहा है,।वहीं चिकित्सा प्रभारी

उपाधीक्षक डॉ रवि ने कहा कि विहंगम योग संस्थान सामाजिक कार्यो में एवं मानवता की सेवा में हमेशा विशेष योगदान करता रहा

है।जिला सह संयोजक राजेश भारद्वाज ने कहा विहंगम योग संस्थान आध्यात्मिक संस्थान के साथ-साथ सामाजिक संगठन भी है,

एक यूनिट रक्तदान करके हम सब तीन जिंदगियां बचाते हैं। रक्तदान महादान है प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को 3 महीने पर एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए इससे कई प्रकार के रोगों से भी बचाव हो जाता है। आगे उन्होंने कहा रक्त प्रयोगशाला में नहीं बनाया जा सकता,रक्तदान कर ही हम रक्त की कमी को एवं रक्त के अभाव में होने वाले अनेक जीवन को बचाया जा सकता है इसलिए हुसैनाबाद वासियों से विशेष आग्रह है।हुसैनाबाद में ब्लड बैंक की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।शिविर में अंतिम समय तक कुल 22 लोगो ने रक्त दान किया था,शेष लोगो की रक्त गहनता से जांच की जा रही थी।मौके पर झारखंड राज्य परामर्शक श्री सुरेंद्र प्रसाद सिंह, जिला प्रचारक रामाशोष सिंह,रामप्रवेश सिंह, प्रखंड सेवा प्रभारी सुजित कुमार, मोहन राम मिश्रा,इंद्रजीत विश्वकर्मा,ओम प्रकाश शर्मा, हैदरनगर प्रखंड प्रभारी सुजित कुमार, मोहन राम , राजेंद्र सिंह, बसंत, सुप्रिया जैन सहित अनेक लोग मौजूद थे

पत्रकारों की आवाज कोई नहीं दबा सकता : अवधेश शुक्ला

झारखंड पत्रकार संगठन की बैठक में शुक्ला के नेतृत्व पर जताया गया सर्वसम्मत् भरोसा, कहा झ्र पत्रकारों का सम्मान ही हमारा संकल्प

नवप्रदेश संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू। झारखंड पत्रकार संगठन की बैठक रविवार को केन्द्रीय अध्यक्ष अवधेश शुक्ला की अध्यक्षता में ऐतिहासिक माहौल में संपन्न हुई। जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में पत्रकारों ने भाग लेकर संगठन की एकजुटता और मजबूती का परिचय दिया। बैठक की शुरुआत में संगठन के केन्द्रीय अध्यक्ष अवधेश शुक्ला द्वारा दिया गया इत्तीफा सर्वसम्मति से नामंजूर कर दिया गया। उपस्थित पत्रकारों ने कहा कि श्री शुक्ला ने सदैव पत्रकारों की आवाज बुलंद की है और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया है। ऐसे में संगठन



को उनके सशक्त नेतृत्व की आवश्यकता है। बैठक में निर्णय लिया गया कि संगठन अब पलामू जिले के सभी प्रखंडों में बैठकें आयोजित कर पत्रकारों की समस्याओं को करीब से समझेगा और समाधान के लिए ठोस पहल करेगा। केन्द्रीय अध्यक्ष अवधेश शुक्ला ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना हैं, और इस आईने पर

कोई धूल जमने नहीं दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पलामू के पत्रकारों को सच लिखने से कोई नहीं रोक सकता, संगठन इसके लिए किसी भी स्तर तक जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार से पत्रकारों के हित में ठोस नीतियां बनाने की मांग की। कहा कि झारखंड सरकार सभी वर्गों के विकास के लिए काम कर रही है, लेकिन पत्रकारों के लिए अब

तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। बहुत जल्द संगठन का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिलकर पत्रकारों को आवास और स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिलाने की मांग करेगा। बैठक का संचालन वरिष्ठ पत्रकार अरविंद तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन रघुवीर नारायण पांडे ने किया। उपस्थित पत्रकारों ने बैठक को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह संगठन की नई ऊर्जा और एकता का प्रतीक बनेगी। बैठक में नीलकमल शुक्ला, राजकुमार पांडे, प्रवीण शुक्ला,उपेंद्र कुमार, राजीव तिवारी, विजय तिवारी, नीरज कुमार, मिथिलेश विश्वकर्मा, रघुवीर नारायण पांडे, जितेंद्र कुमार सिंह, मोरध्वज पांडे, अनिल कुमार, अमितेश रंजन, आशीष कुमार, शशि भूषण सिंह, पवन प्रभात, दुर्गा प्रसाद तिवारी, योगेंद्र कुमार मिश्रा, धनंजय तिवारी, अनीश कुमार, मोहम्मद हबीब सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

गिरिडीह में पहली बार इंडियन डेंटल एसोसिएशन शाखा का हुआ गठन

गिरिडीह। झारखंड राज्य गठन के बाद पहली बार गिरिडीह जिले में इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) गिरिडीह शाखा का गठन किया गया। शनिवार की देर शाम सिहोडीह स्थित सी टी क्राउन रिसॉर्ट में एक भव्य समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें नवगठित कार्यकारिणी ने पदभार ग्रहण किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के कार्यकारिणी सदस्य सह डेंटल काउंसिल ऑफ झारखंड के अध्यक्ष डॉ विवेक सिंह रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में सिविल सर्जन डॉ शेख मोहम्मद जफरुल्ला, रिम्स डेंटल कॉलेज रांची के पूर्व प्राचार्य सह विभागाध्यक्ष डॉ एन एन सिंह, देवघर के वरीय दंत चिकित्सक डॉ शरद कुमार और सम्मानित अतिथि के रूप में डॉ एस के दोकानिया मंच पर उपस्थित थे।डॉ विवेक सिंह ने आईडीए गिरिडीह शाखा के सभी सदस्यों को सदस्यता ग्रहण कराई। सर्वसम्मति से वरीय दंत चिकित्सक, सदर अस्पताल गिरिडीह के डॉ चंदन कुमार (डॉ सी के सिंह) शाखा के अध्यक्ष तथा डॉ अमृत आनंद निर्वाचित अध्यक्ष मनोनीत किए गए। अन्य पदाधिकारियों में डॉ बी के झा सचिव, डॉ मोहित कुमार कोषाध्यक्ष, डॉ दीपक प्रकाश उपाध्यक्ष, डॉ दीपक पांडा संयुक्त सचिव, डॉ एस के तरबी सीडीई कन्वेनर, डॉ प्रियंका प्रियदर्शी सीडीएफ कन्वेनर, डॉ माधुरी कुमार संपादकीय प्रभारी, जबकि डॉ सचिन कुमार और डॉ आसिफ अली को राज्य प्रतिनिधि बनाया गया।कार्यकारिणी सदस्यों में डॉ कविता प्रसाद, डॉ मनीष कांत, डॉ सौरभ जगनानी, डॉ निखिल अग्रवाल और डॉ आसिफ राजा शामिल रहे। कार्यक्रम में आईएमए गिरिडीह के अध्यक्ष डॉ रियाज अहमद, सचिव डॉ रितेश सिन्हा, रांची के डॉ जी के भगत, देवघर के डॉ राजीव कुमार और डॉ अनुराधा कुमारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।समारोह में अतिथियों को पुष्पगुच्छ और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण डॉ अमृत आनंद ने दिया जबकि अध्यक्षीय संबोधन डॉ सी के सिंह ने रखा। मुख्य अतिथि और अन्य सम्मानित अतिथियों ने अपने संबोधन में आईडीए गिरिडीह शाखा को शुभकामनाएं दीं और कहा कि इससे दंत चिकित्सकों का संगठन मजबूत होगा।

एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, चेस प्रतियोगिता में गढ़वा ने जीते पदक

राज्य स्तरीय स्कूली प्रतियोगिता

नवप्रदेश संवाददाता

गढ़वा। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची की और से आयोजित राज्य स्तरीय स्कूली प्रतियोगिता में गढ़वा के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते है हुए पांच मेडल प्राप्त किया जिसमें एक गोल्ड ,एक सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अंडर 14 वर्ग के डिस्कस थ्रो में मध्य विद्यालय अचला के इनाममूल हक ने गोल्ड,उत्कर्मित हाई स्कूल कल्याणपुर के विवेक कुमार ठाकुर ने अंडर 14 के 80 मीटर हर्डल में सिल्वर मेडल ,1500 मीटर दौड़ में हाई स्कूल भंडरियां ने शेषनाग सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल और कस्तूरबा विद्यालय भंडरियां के स्वाति लकड़ा ने अंडर



17 वर्ग के 400 मीटर हर्डल में ब्रॉन्ज मेडल, उत्कर्मित हाई स्कूल रोदो भंडरिया के राधा कुमारी ने अंडर 17 आयु वर्ग में डिस्कस थ्रो में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। कबड्डी प्रतियोगिता में भी अंडर 14 आयु वर्ग के बालक/बालिका खिलाड़ियों ने अपने स्किल का जबरजस्त प्रदर्शन करते हुए पूरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया साथ ही साथ अंडर 17 आयु वर्ग में भी जिला के

कबड्डी खिलाड़ियों ने पूरे राज्य में उपविजेता रहा। कुश्ती प्रतियोगिता में भी जिला के बालक/बालिका पहलवानों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर कुल 19 मेडल बिनिन आयु वर्ग में प्राप्त कर जिला का मन बढ़ाया सभी खेल के विजेता खिलाड़ियों के साथ साथ अन्य खिलाड़ियों ने भी बेहतर स्किल का प्रदर्शन कर अपने अपने इवेंट्स में सराहनीय प्रदर्शन रहा। विजेता खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर जिला शिक्षा पदाधिकारी कैसर

राजा, जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज, एडीपीओ सह एपीओ खेल प्रभारी कुलदीपक अग्रवाल, एपीओ शैलेंद्र कुमार, सहायक रविन्द्र चौबे ओलंपिक संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र पाठक ,महासचिव आलोक मिश्र वरीय उपाध्यक्ष उदय नारायण तिवारी, जगरनाथ राम जिला खेल कोषाण से सुशील कुमार तिवारी, आलोक कुमार श्रीवास्तव, अनुराग गिरी, रजनीश कुमार साधना त्रिपाठी, किशोर कुणाल, राजेश चंद्रवंशी ,शिव कुमार, अतुज शुक्ला रोकेश वर्मा, प्रदीप सिंह, प्रभात कुमार बृजेश यादव, अशोक यादव डे बौर्डिंग प्रशिक्षक रमाशंकर सिंह, खेलो इंडिया एथलेटिक्स प्रशिक्षक अभिषेक सिंह मीडिया प्रभारी देवेंद्र नाथ उपाध्यय तथा जिले मे पदस्थापित सभी शारीरिक शिक्षको ने खिलाड़ियों के उपलब्धि पर बधाई दी है।

भ्रष्टाचार कैसर से भी खतरनाक, अब जनता होगी मुखर : रूचिर तिवारी

चियांकी में पदयात्रा के दौरान बोले भाकपा जिला सचिव-सिस्टम में सड़्राध गहरी, बदलाव की लड़ाई जरूरी

नवप्रदेश संवाददाता

मेदिनीनगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रूचिर कुमार तिवारी ने कहा कि भ्रष्टाचार अब कैसर से भी खतरनाक बीमारी का रूप ले चुका है। अगर इसका इलाज वक्त रहते नहीं किया गया तो पूरा समाज इसके चपेट में आ जाएगा। रविवार को वे सदर अंचल के ग्राम चियांकी में आयोजित पदयात्रा के दूसरे दिन ग्रामीणों की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। श्री तिवारी ने कहा कि चियांकी क्षेत्र



में दलित, आदिवासी रैयतों की खतिबानी जमीनों पर एनएच-75 निर्माण के नाम पर भारी गड़बड़ी की गई है। सदर अंचलधिकारी के द्वारा रैयतों की जमीन का एलपीसी किसी और व्यक्ति के नाम जारी कर करोड़ों रुपये की उगाही की गई। इस भ्रष्टाचार के खेल में अमीन और अन्य कर्मियों की मिलीभगत भी उजागर हो रही है।ग्रामीणों ने बताया कि सदर अंचलाधिकारी ने स्थानीय

आदिवासी लोगों पर झूठे मुकदमे भी किए थे, हालांकि अब न्यायालय से उन्हें राहत मिली है। ग्रामीणों ने कहा कि अंचल कार्यालय में बिना पैसे कोई काम नहीं होता, चाहे वह रसीद कटवाने का मामला हो या म्यूटेशन का, गरीब, दलित और आंबीसी वर्ग के लोग सबसे अधिक शोषित हैं। रूचिर तिवारी ने कहा कि कुछ लोग भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने के लिए बयानबाजी कर रहे

हैं, जो बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि यह रोग सिर्फ पलामू नहीं, पूरे झारखंड में फैल चुका है। अब वक्त आ गया है कि आम जनता मुखर होकर इस सिस्टम के खिलाफ आवाज बुलंद करे।इस मौके पर अखिल भारतीय किसान सभा के जिला अध्यक्ष उमेश सिंह चेरो ने कहा कि सदर अंचल की मनमानी दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इसके खिलाफ एकजुट होकर लड़ना जरूरी है।वहीं, करीमन पासवान ने कहा कि रूचिर तिवारी जात नहीं, जमात की राजनीति करते हैं और शुरू से ही जनता के हक की लड़ाई लड़ते आए हैं। पदयात्रा में सनी सिंह, राजा सिंह, शंकर सिंह, फोटो सिंह, सोनू अहमद, नसीम राइन, अजय कुमार एवं बशु सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

मुख्य छठ घाट पर गंदगी का अंबार, नगर प्रशासन की लापरवाही से लोगों में आक्रोश

नवप्रदेश/हुसैनाबाद। पलामू छठ पर्व संपन्न हुए कई दिन बीत गए, लेकिन हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र के मुख्य छठ पोखरा घाट सहित अन्य सभी छठ घाटों की सफाई अब तक नहीं कराई गई है। घाटों पर चारों ओर गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों में नगर प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश है। स्थानीय व्यवसायियों और श्रद्धालुओं ने बताया कि हुसैनाबाद का मुख्य छठ घाट अनुमंडल क्षेत्र का प्रमुख पूजा स्थल है, जहां हुसैनाबाद नगर पंचायत समेत आस-पास के दर्जनों गांवों के हजारों श्रद्धालु सूर्य उपासना के लिए जुटते हैं। छठ पर्व के दौरान करीब दस हजार से अधिक लोग घाट पर पहुंचकर सूर्य देव से क्षेत्र की खुशहाली की कामना करते हैं।लोगों का कहना है कि छठ पूजा के पहले व्रतधारी महिलाएं स्वयं घाट की सफाई कर तैयारियां करती हैं, लेकिन पर्व समाप्त होने के बाद नगर पंचायत की ओर से सफाई कार्य पूरी तरह उपेक्षित रहता है। इससे स्वच्छ भारत अभियान की वास्तविकता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। इस बार लगातार चार दिनों से हो रही बे-मौसम बारिश ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। पोखरा घाट, गईता पोखरा, कुकही सूर्य मंदिर परिसर सहित अन्य घाटों पर गंदगी सड़ने लगी है और दुर्गंध फैल रही है। इससे स्थानीय लोगों का गुजरना भी मुश्किल हो गया है।नगर पंचायत प्रशासन की चुप्पी और सफाई व्यवस्था की अनदेखी को लेकर नागरिकों ने नाराजगी जताते हुए जल्द से जल्द सफाई अभियान चलाने की मांग की है।

एक नजर

मित्र मंडली समिति का यह सतत सेवा कार्य समाज में मानवीयता और सहयोग की प्रेरणा देता है

नवप्रदेश/गढ़वा। सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए मित्र मंडली समिति, गढ़वा के सदस्यों द्वारा सदर अस्पताल गढ़वा में प्रत्येक रविवार की तरह इस रविवार को भी सेवा कार्य किया गया। इस दौरान नवजात शिशुओं को गरम कपड़ा, स्वेटर, टोपी, मौजा प्रदान किए गए, साथ ही माताओं एवं अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों के बीच चाय और ब्रेड का वितरण किया गया। समिति के सदस्यों ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी मरीज इस सेवा से वंचित न रह जाए। प्रत्येक वार्ड में जाकर वितरण किया गया। इस अवसर पर समिति के सक्रिय सदस्य सुनील गुप्ता, अजय आनंद, रवि केसरी, संतोष केसरी, प्रभु गुप्ता, दीपक गुप्ता, मौनू केसरी, राजेश गुप्ता, एवं आनंद केसरी उपस्थित रहे।



मुहर्रम ईतजामिया कमिटी के पूर्व जनरल ने प्रेस काफ़ेंस कर प्रशासन से अपने जान माल के सुरक्षा की गुहार लगाई



नवप्रदेश/मेदिनीनगर। मेदिनीनगर अपने आवास पर मुहर्रम ईतेजामिया के पूर्व जनरल खलीफा शहयार अली ने प्रेसवार्ता कर बताया कि उनकी जान को खतरा है वे इस बाबत मेदिनीनगर शहर थाना में भी आवेदन दिये हैं इनका कहना है कि जान से मारने के डर से वे घर मे रह रहे हैं और वे मेयर प्रत्याशी के रूप में जनसम्पर्क भी नही कर पा रहे हैं। क्योंकि मुझे हमेशा डर बना रहता है कि कब कौन जान से मार सकता है शहयार अली ने बताया की पिछले चार दिनों से उनकी घर की रेकी अपराधियों के द्वारा की जा रही है इसलिये वे पुलिस प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं कि उनकी जान की खतरा को देखते हुए उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जाए और अपराधियों के खिलाफ कारवाई की जाए उन्होंने ये भी बताया कि चार दिन पूर्व उनके घर के पास गोली भी चलाई गई थी।

सांसद खेल महोत्सव : महिलाओं ने दिखाई खेल प्रतिभा, विजेताओं को किया गया सम्मानित



नवप्रदेश/हरिहरगंज। फिट युवा फॉर विकसित भारत अभियान के तहत रविवार को जेएसएलपीएस की ओर से हरिहरगंज व पीपरा प्रखंड क्षेत्र में क्लस्टर स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का आयोजन हरिहरगंज के सरसोत पंचायत अंतर्गत पत्थरा ओपी परिसर में किया गया. मुख्य अतिथि ओपी प्रभारी मंटू कुमार ने दीप प्रज्वलित कर खेल महोत्सव का शुभारंभ किया. कार्यक्रम में आजीविका सखी मंडल की महिलाओं ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया. हाफ मैराथन दौड़ और चम्मच दौड़ प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण रही. प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ प्रतियोगिता में भाग लेकर स्वस्थ व सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया. चम्मच दौड़ प्रतियोगिता में संजू देवी प्रथम, जूली देवी द्वितीय तथा कमला देवी तृतीय स्थान पर रहीं. वहीं हाफ मैराथन दौड़ में सबिता देवी ने पहला, शांति देवी ने दूसरा और बबिता देवी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया. विजेताओं को ओपी प्रभारी मंटू कुमार ने कप व पेन देकर सम्मानित किया. इस अवसर पर सुशील कुमार पांडेय, एसआइ अशोक कुमार, जेएसएलपीएस के सीसी रविकांत कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. उधर पीपरा प्रखंड के खेल मैदान में भी क्लस्टर स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया।

पहाड़ी मंदिर के मुख्य पुजारी उमेश दूबे का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

नवप्रदेश/हरिहरगंज। शहरी क्षेत्र के अररूआ खुर्द स्थित मणी पर्वत विलासमढ़ पहाड़ी मंदिर के मुख्य पुजारी उमेश दूबे का रविवार को बेन हेमरेज से निधन हो गया. उनके निधन की खबर से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई. 70 वर्षीय उमेश दूबे मूल रूप से सीमावर्ती बिहार के औरंगाबाद जिले के कुटुंबा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमरी खुर्द गांव के निवासी थे. वे कई वर्षों से पहाड़ी मंदिर में मुख्य पुजारी के रूप में सेवा दे रहे थे और अपनी सादगी एवं भक्ति भावना के लिए लोगों के बीच सम्मानित थे. परिजनों के अनुसार, रविवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई. उन्हें पहले औरंगाबाद अस्पताल ले जाया गया, जहां स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज गया रेफर कर दिया. वहीं इलाज के क्रम में उन्होंने अंतिम सांस ली. मुख्य पुजारी के आकस्मिक निधन की खबर से मंदिर परिसर सहित पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त हो गया. शोक व्यक्त करने वालों में शंभू सिंह, इन्द्रदेव राम, उदय सिंह, गोपाल गुप्ता, भोला पासवान, शिवनाथ चौधरी, शंकर चौधरी, दिनेश पासवान, छोटेलाल गुप्ता, निरंजन गुप्ता सहित कई लोग शामिल हैं।

प्रभात फेरी में जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल से गुंजायमान उठा शहर

गुरु नानक जयंती के अवसर पर चौथे दिन भी निकाली गई धूमधाम से प्रभात फेरी

गुरुवाणी से माहौल हुआ भक्तिमय, प्रभात फेरी में शामिल सात संगत का पुष्य वर्षा से हुआ जोरदार स्वागत

नवप्रदेश/गिरिडीह। धन धन श्री गुरुनानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर सिक्ख समाज के द्वारा चौथे दिन रविवार को भी प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी पंजाबी मोहल्ला स्थित गुरुद्वारा से निकल कर मकतपुर चौक होते हुए कचहरी रोड, भंडारीड़ीह स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर सरदार त्रिलोचन सिंह जी सलूजा , डी पी एस स्कूल के चेयरमैन बलजीत सिंह जी सलूजा उर्फ ऋषि सलूजा के आवास पर पहुंची। जहां प्रभात फेरी का समापन हुआ एवं महिला संगत के द्वारा कीर्तन किया गया। प्रभात फेरी के समापन पर प्रभात फेरी में शामिल संगतों पर पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। प्रभात फेरी में पूरे रास्ते भर सिख परिवार के संगतों ने कई शब्द कीर्तन प्रस्तुत किए। और जो बोले सोनिहल सत श्री अकाल के जयकारे लगाए। पूरे रास्ते में संगत के द्वारा वाहेगुरु का जाप भी किया जा रहा था। जिससे प्रभात फेरी का माहौल भक्तिमय हुआ। प्रभात फेरी की संपूर्णता के बाद महिला संगतों के द्वारा शब्द कीर्तन एवं स्टेशन रोड स्थित गुरुद्वारा के मुख्य पुजारी के द्वारा अरदास किया गया। त्रिलोचन सिंह, ऋषि सलूजा और उनके परिवार की ओर से सात संगत के लिए उत्तम नाश्ते की व्यवस्था भी की गई थी। प्रभात फेरी में सरदार अमरजीत सिंह सलूजा,सचिव सरदार नरेंद्र सिंह शम्मी,सरदार मंजीत सिंह सलूजा, सरदार हरमिंदर सिंह बग्गा, बजिंदर सिंह बग्गा नरेंद्र सिंह बग्गा, जगजीत सिंह बग्गा, अंकित सिंह , जसविंदर कौर कालरा, परमजीत सिंह काकड़ा, राजू चावलवा, सुधीर आनन्द, सुखदीप कौर, सोनम कौर अमरजीत कौर ,सिम्रन कौर, गुरविंदर सिंह, गुरुचरण सलूजा, हरवंश सिंह सलूजा,सनी सलूजा ,चरणजीत कौर , परबजीत कौर, सत्यप्रीत कौर सलूजा उर्फ प्रीत समेत काफी संख्या में सिक्ख परिवार के महिला पुरुष और बच्चे शामिल हुए। सिक्ख संगत शामिल हुए।

ट्रक मालिकों की एकजुटता दिखी: सेरेगदाग माइंस में संचालन को लेकर संगठन ने कंपनी को दी चेतावनी

लोहरदगा-गुमला ट्रक ओनर एसोसिएशन की चंदवा बैठक में हंगामी फैसला-बिना स्वीकृति गाड़ी चली तो आंदोलन तय

नवप्रदेश संवाददाता

चंदवा। लोहरदगा-गुमला ट्रक ओनर एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को चंदवा में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता सलाहकार समिति के वरिष्ठ सदस्य संतोष साहू ने की। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह, सचिव मुद्रिका कवलजित सिंह, और रोहित अग्रवाल, उपाध्यक्ष बरज सिंह और जसवीर एक्का, कोषाध्यक्ष अभय सिंह, सदस्य महेंद्र प्रसाद, अनिल भगत सहित बड़ी संख्या में ट्रक मालिक मौजूद रहे। बैठक में मुख्य रूप से

सड़क कीचड़ में तब्दील होने पर महिलाएं और बच्चें ने बालू लदे ट्रैक्टर रोका

नव प्रदेश संवाददाता



बरवाडीह। लातेहार जिले के बरवाडीह प्रखंड क्षेत्र पंचायत केडू में केडू पुलिस पिकेट से मैन बस्ती होते चुटीखाड़ बालू घाट जाने वाली रास्ता ट्रैक्टर चलने से सड़क कीचड़ में तब्दील हो गया है,सड़क कीचड़ में तब्दील होने के बाद महिलाएं और बच्चें ने बालू लदे ट्रैक्टर को महिलाएं और बच्चें ने आधा घंटे के लिए रोक दिया,महिलाओं को कहना है कि ट्रैक्टर चलने और सड़क पर जमें पानी अब सड़क कीचड़ में तब्दील हो गया है,सड़क को सखा जरूरत है मरोमती कराने का तभी हम लोग ट्रैक्टर चलाने देंंगे,दो पहिया वाहन से चलना तो दूर की बात पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है,ग्रामीणों को सीरियस या प्रसव महिला को अस्पताल ले जाने के लिए सड़क खराब होने के कारण एंबुलेंस तक नहीं आती है,ग्रामीण मरीज को ले जाने के लिए अपना जुगाड़ बनाकर मैन रोड तक मरीज को लाते हैं, महिलाएं और बच्चों ने ट्रैक्टर मालिक और प्रखंड प्रशासन से फिलहाल अभी सड़क को मरोमती कराने की मांग की है।

5 नवंबर को मंत्री सुदीप्य सोनू के आवास का घेराव करेगी सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा : अतुल कुमार

नवप्रदेश संवाददाता

लातेहार। सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा, लातेहार जिला इकाई की एक बैठक जिला अध्यक्ष अतुल कुमार की अध्यक्षता में उद्क्रमित उच्च विद्यालय, करकट में आयोजित की गई। बैठक में संघ की मांगों के समर्थन और झारखंड सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में आगामी 5 नवंबर को गिरिडीह विधायक सह उच्च शिक्षा मंत्री सुदीप्य कुमार सोनू के आवास का घेराव करने का निर्णय लिया गया। जिलाध्यक्ष अतुल कुमार ने कहा कि मंत्री सुदीप्य सोनू मुख्यमंत्री के करीबी हैं और पूर्व शिक्षा मंत्री स्व. जगन्नाथ महतो के समय नियमावली निर्माण

माॅब लिंथिंग के शिकार मजलूम अंसारी की बेटी की निकाह में शामिल हुए झामुमो नेता जुनैद अनवर

बालूमाथ। मानवता को झकझोरे देने वाली 18 मार्च 2016 की दर्दनाक माॅब लिंथिंग की घटना के नौ वर्ष बाद उस घटना के शिकार मजलूम अंसारी की यतीम बेटी का शनिवार को निकाह सम्पन्न हुआ। बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत झावर निवासी दिवंगत मजलूम अंसारी की पुत्री का विवाह चंदवा प्रखंड के हुचलू ब्राह्मणी गांव के युवक से सादगीपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता सह केंद्रीय समिति सदस्य जुनैद अनवर विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने निकाह समारोह में उपस्थित होकर मजलूम अंसारी को बेटी को सुखद एवं सफल वैवाहिक जीवन की दुआ दी। झामुमो नेता ने इस मौके पर परिवार को उपहार भेंट किया और उनकी हौसला-अफजाई की।निकाह के बाद जुनैद अनवर डुमरवांड चिरू पंचायत, हेरहंज प्रखंड) स्थित मजलूम अंसारी के घर पहुंचे, जहां उन्होंने परिजनों से मुलाकात की और उनके हालात का जावजा लिया। उन्होंने मजलूम अंसारी की विधवा से भेंट कर कहा कि आपने संघर्षों के बल पर जिस साहस और हिम्मत के साथ बेटी को पढ़ाया और आज उसके निकाह की रस्म अदा की है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है।उन्होंने कहा कि 2016 में झाबर गांव में हुई जघन्य माॅब लिंथिंग की घटना को याद कर आज भी हृदय द्रवित हो उठता है। उस दिन मजलूम अंसारी और एक 12 वर्षीय बच्चे की नृशंस हत्या कर दी गई थी। पशु के नाम पर ईंसान की हत्या मानवता के नाम पर कलंक थी,उन्होंने कहा।जुनैद अनवर ने परिवार को थरोसा दिलाया कि वे हर सुख-दुख की घड़ी में उनके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि मजलूम अंसारी की विधवा ने अपने जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और बेटी को शिक्षा देकर उसका निकाह किया, यह अदम्य साहस और मातृत्व का प्रतीक है।इस मौके पर बोकारो के समाजसेवी अफजल अनीस सहित कई स्थानीय ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल भावनात्मक था, जहां लोगों ने दिवंगत मजलूम अंसारी और उनके बेटे की आत्मा की शांति के लिए दुआ की।इह निकाह न केवल एक पारिवारिक अवसर रहा, बल्कि समाज को यह संदेश भी दिया कि अत्याचार और अन्याय के बाद भी ईंसानियत, संघर्ष और शिक्षा की राह से आगे बढ़ा जा सकता है।



सेरेगदाग माइंस, गुरुदरी, कुजाम और जालिम माइंस से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। ट्रक

मालिकों ने एक स्वर में कहा कि गाड़ियों की ही लिस्टिंग एसोसिएशन और कंपनी द्वारा संयुक्त रूप से की

बालू जतरा मेला का विधायक रामचंद्र सिंह ने पिता काट कर किया उद्घाटन

विधायक कहा जतरा मेला आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक हैं

नवप्रदेश संवाददाता

बालूमाथ। संस्कृति और जनआस्था का प्रतीक बालू गांव में चंडी जतरा मेला रविवार को बालूमाथ प्रखंड के बालू गांव में बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ शुरू हुआ। वर्षों पुराना यह मेला स्थानीय परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करता है। रविवार को आयोजित उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे मनिका विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक रामचंद्र सिंह ने फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया।मेला स्थल पर भारी संख्या में ग्रामीण, व्यापारी और विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालु उपस्थित थे। मेला समिति के अध्यक्ष सह पश्चिम कांग्रेस मंडल अध्यक्ष कर्मदेव भगत ने विधायक का स्वागत पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर किया। उद्घाटन के बाद विधायक रामचंद्र सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बालू जतरा मेला हमारे समाज की जीवंत सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। यह न

जाएगी। हिंडालको कंपनी एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर ही लिस्ट को अंतिम रूप दे। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि कंपनी संगठन की स्वीकृति के बिना किसी भी ट्रक का परिचालन करती है, तो संगठन आंदोलन करेगा, सड़क पर उतरंगा और परिचालन ठप कर देगा। संगठन ने निर्णय लिया कि सेरेगदाग माइंस में पहले छह महीने तक वही गाड़ियां चलेगी जो एसोसिएशन द्वारा स्वीकृत होंगी। छह महीने बाद यदि अतिरिक्त गाड़ियों की आवश्यकता महसूस होती है तो कंपनी और संगठन संयुक्त बैठक कर निर्णय लेंगे। गुरुदरी और कुजाम माइंस को लेकर ट्रक मालिकों ने असंतोष जताया और कहा कि वहां ट्रिप नहीं मिल रहा है। यदि एक सप्ताह के अंदर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो

दोनों माइंसों का परिचालन ठप कर दिया जाएगा। इसी तरह जालिम माइंस की गाड़ियों को कंपनी द्वारा बंद करने पर भी असंतोष प्रकट किया गया और चेतावनी दी गई कि यदि माइंस शीघ्र चालू नहीं हुआ तो ओनर सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। बैठक में सैकड़ों ट्रक मालिक मौजूद रहे जिनमें प्रमुख रूप से चंद्रभूषण केसरी, किशोर गिनोदिया, राशिद, एमडी मिनाज, इरफान, दानिश, अर्जुन वर्मा, एमडी नसीम, शिवनाथ यादव, विकास यादव, मंटू साहू, मनोज साहू, विशन प्रजापति, राजेंद्र प्रजापति, गुड्डू राजा, रोशन कुमार, मुख्तार अंसारी, मुन्ना खान, मनीष सिंह, इरशाद रहमत अंसारी, जसवीर अक्का, महाताब आलम, राजेश शिषकनर्मा सहित अन्य ओनर शामिल थे।

सार्वजनिक सत चंडी जतरा मेला में शामिल रहे जिप उपाध्यक्ष और प्रशासनिक पदाधिकारी

नवप्रदेश/बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड के बालू गांव में आयोजित सार्वजनिक सत चंडी जतरा मेला इस वर्ष श्रद्धा,उत्साह और पारंपरिक भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं, जबकि उनके पति प्रवीण कुमार सिंह, झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अनीता देवी ने मांदर की थाप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया और पूजा समिति को एक मांदर भेंट किया। उन्होंने कहा कि सत चंडी जतरा हमारी संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन न केवल परंपराओं को सहेजते हैं, बल्कि समाज में मेलजोल और भाईचारे को भी बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्य, लोकगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमग्न कर दिया। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने झूम-झूमकर लोक संस्कृति का आनंद लिया।मेला में बालूमाथ एवं आसपास के सैकड़ों गांवों से हजारों लोग शामिल हुए। आयोजन समिति ने जिप उपाध्यक्ष अनीता देवी और प्रशासनिक पदाधिकारी प्रवीण कुमार सिंह को भारव व्यक्त किया और कहा कि उनके सहयोग और उपस्थिति से आयोजन की शोभा और अधिक बढ़ गई।

लातेहार में स्वास्थ्य व्यवस्था फिर हुई लाचार-एनएन की लापरवाही से नवजात की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश



परिजनों ने कई बार एनएएम कल्पना सिन्हा से संपर्क करने का प्रयास किया, किंतु उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया और न ही मौके पर पहुंचीं। प्रसूता दो घंटे तक दर्द से पड़ुंचीं। प्रसूता दो घंटे तक दर्द से तड़पती रही। मजबूरन परिजनों ने उसे लातेहार सदर अस्पताल ले जाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी-प्रसव के दौरान बच्चे की मौत हो गई। पीड़ित परिजन कमेश सिंह ने आरोप लगाया कि एनएनएम की लापरवाही के कारण नवजात की जान गई। उन्होंने कहा, अगर समय पर एनएएम केंद्र में मौजूद होतीं, तो बच्चा बच सकता था। हम गरीब लोग हैं, हमारी बात कोई नहीं सुनता। ऐसे हादसे बार-बार होते हैं लेकिन कार्रवाई कभी नहीं होती। ग्रामीणों ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट है। एनएएम और चिकित्सक समय पर ड्यूटी नहीं करते, एम्बुलेंस सेवाएं भी अक्सर

एक नजर

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई बारेसांड वन क्षेत्र में अवैध घिरान लकड़ी जब्त, आरोपी फरार



नवप्रदेश/गारू (लातेहार)। बारेसांड वन क्षेत्र अंतर्गत बी.सी.-13 उपबोट के नवाटोली टोला में वन विभाग की टीम ने आज शाम लगभग 3 बजे बड़ी कार्रवाई की। प्रभारी वनपाल परमजीत तिवारी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में सेमल, बिया, सखुआ और शीशम की भारी मात्रा में चिरान लकड़ी जब्त की गई। लकड़ी सुबेदार लकड़ा और सुबोध खाखा के घरों से बरामद की गई। जांच में पता चला कि इन लकड़ियों की चिरान भर्कू मुंडा द्वारा की जाती थी। टीम द्वारा आसपास के अन्य घरों की भी सघन जांच जारी है। वर्तमान में सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। उन्हें पकड़ने के लिए वन विभाग द्वारा लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई में प्रभारी वनपाल परमजीत तिवारी, ट्रैकर विकास प्रसाद, जुएल मिंज, क्यू.आर.टी. सदस्य मुखराज यादव सहित कुछ ग्रामीणों की भी सक्रिय भूमिका रही। वन विभाग, बारेसांड की टीम ने बताया कि क्षेत्र में अवैध लकड़ी तस्करी पर रोक लगाने के लिए निगरानी और कड़ी कर दी गई है।

दामोदर गांव में गंगा कोशी बायोटेक ने किया फसल प्रदर्शनी दिवस का आयोजन



नवप्रदेश/चंदवा। चंदवा प्रखंड के दामोदर गांव में गंगा कोशी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेडटी कंपनी की ओर से फसल प्रदर्शनी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कंपनी के रीजनल मैनेजर जफर अरशद, प्रतिनिधि मो. अशरफ, डीलर अंकित कुमार, आशिष कुमार, विशेष गुप्ता, विक्रेता रोशन साहू, शिवदास यादव, अभिषेक कुमार, मिथिलेश गुप्ता, शंभू गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान कंपनी की ओर से जीबी-68 हाईब्रिड धान की विशेषताओं और उसकी उच्च उत्पादकता के बारे में सभी विक्रेताओं और किसानों को जानकारी दी गई। यह फसल किसान प्रभात उरांव के खेत में लगाई गई थी, जिनका कंपनी की ओर से अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया। इसके अलावा सभी विक्रेता बंधुओं को भी रीजनल मैनेजर जफर अरशद ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को नवीनतम कृषि तकनीक और उच्च उत्पादक किस्मों के प्रति जागरूक करना था।

सभी रैयत एकजुट जल्द होगी महापंचायत होगा बड़ा आंदोलन : लाल मोतिनाथ शाहदेव



नवप्रदेश/चंदवा। पंचायत भवन बारी में ग्राम प्रधान रोबिन उरांव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई जिसमें लाल मोतिनाथ शाहदेव उपस्तिथ रहे बनहरदी कॉल ब्लॉक में विस्थापित हो रहे पंचायत बारी एवं पंचायत बनहरदी के सभी रैयत उपस्थित रहे सभी ने बारी बारी से अपना दुःख साझा किया सभी रैयतों का लगभग एक ही मांग का विचार आया जमीन सम्बन्धी जूटि अवि्लभ सुधार हो लाल मोती नाथ शाहदेव ने कहा की किसी भी रैयत के साथ अन्याय नहीं होगा इसके लिए बहुत जल्द एक रैयतों का टीम बना कर उपायुक्त लातेहार से मिल कर रैयतों की बात विस्तार पूर्वक रखी जायेगी और समस्या के सामाधान के लिए आग्रह किया जाएगा बात नही बनी तो एक विशाल महापंचायत आयोजित किया जाएगा और आंदोलन का बिगुल फूँका जाएगा लाल मोती नाथ शाहदेव के बैठक में आने से सभी रैयतों की उम्मीद में किरण की आस जगी है कार्यक्रम का संचालन बेताल अहमद के द्वारा किया गया मुख्य रूप से नौशाद अंसारी रमेश उरांव हाजी हाशिम चंद्रदेव उरांव अहमद अंसारी मैनेश्वर यादव परमेश्वर उरांव अशोक भुश्यां हाजी समीद राजू उरांव महेश राम तेतर मोची इसराफिल अंसारी राजेंद्र उरांव जफीद अंसारी बिनोद भुइया सुरेश उरांव बना उरांव छोटेलाल उरांव बशीर अंसारी प्रभु यादव शंकर सिंह आशीष सिंह ताहिर अंसारी इत्यादि सैकड़ों रैयत उपस्थित थे।

सड़क हादसे में युवक और युवती की मौत

नवप्रदेश/बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र में रविवार के सुबह ओल्हेपाट गांव के पास एक भीषण बाइक सड़क हादसे में एक युवक और एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों बालू जतरा मेला देखकर एक ही बाइक पर सवार होकर बालूमाथ की ओर लौट रहे थे। लौटने के क्रम में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।मृतकों की पहचान टंडवा थाना क्षेत्र के डहू बड़गांव निवासी जगदीश उरांव के 20 वर्षीय पुत्र अनुज उरांव और हेरहंज थाना क्षेत्र के बरहमोरिया गांव निवासी इंद्रदेव उरांव की 19 वर्षीय पुत्री पूनम कुमारी के रूप में की गई है। दोनों बालू जतरा मेला में शामिल होकर देर रात अपने घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि बाइक की गति काफी तेज थी और मोड़ पर संतुलन बिगड़ने से यह हादसा हुआ।घटना की सूचना मिलते ही बालूमाथ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया चिकित्सक डॉ. संजय सिद्धार्थ ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर लातेहार सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि अनुज और पूनम आपस में दोस्त थे और अक्सर साथ देखे जाते थे। शनिवार की शाम वे दोनों बालू जतरा मेला घूमने गए थे और देर रात लौटते समय यह दर्दनाक हादसा हो गया। दोनों की असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ओल्हेपाट गांव के पास सड़क पर स्पीड ब्रेकर और चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाए जाएं, क्योंकि इस क्षेत्र में पहले भी कई हादसे हो चुके हैं।पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का प्रमुख कारण माना जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस दर्दनाक घटना ने पूरे बालूमाथ क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

बाबर आजम टी20 में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बने विराट और रोहित का रिकार्ड तोड़ा



लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में अपनी 68 रनों की अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक नई उपलब्धि हासिल की है। अब आजम टी20 में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इस प्रकार आजम ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी पीछे छोड़ दिया है। बाबर के नाम अब 124 पारियों में 40 अर्धशतक हो गए हैं, जबकि विराट कोहली के 117 पारियों में 39 अर्धशतक हैं। वहीं रोहित शर्मा के 151 पारियों में 37 अर्धशतक हैं। आजम ने 131 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 124 पारियों में 39.83 की औसत से 4,302 रन बनाए हैं। उन्होंने 3,335 रैंद खेली हैं और उनका स्ट्राइक रेट 128.99 रहा है, जिसमें तीन शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 122 है। वहीं विराट ने 125 टी20 मैचों में 48.69 की औसत और 137.04 के स्ट्राइक रेट से 4,188 रन बनाए हैं। उन्होंने एक शतक, 38 अर्धशतक और 122 का सबसे अधिक स्कोर बनाया है। वह इस प्रारूप में अब तक के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। दूसरी ओर रोहित ने 159 टी20 मैचों में 32.05 की औसत और 140 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 4,231 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने करियर में पांच शतक और 37 अर्धशतक बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121 है। रोहित इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं।

एकदिवसीय के बाद टी20 में भी

खामोश है शुभमन का बल्ला



मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के नये टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को भविष्य में तीनों ही प्रारूपों में कप्तान बनाये जाने की अटकलें हैं। चयन समिति और कोच गौतम गंभीर भविष्य में शुभमन को ही टी20 कप्तान बनाना चाहते हैं। इसी कारण उनको टी20 की उपकप्तानी दी गयी है पर इंग्लैंड दौरे के बाद से ही जिस प्रकार से शुभमन का बल्ला सीमित ओवरों टेस्ट और टी20 में नहीं चल रहा। उससे गंभीर की चिन्ता जरूर बढ़ गयी होगी। शुभमन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के तीनों मैचों में रन नहीं बना पाये। टी20 सीरीज के भी पहले दो मैच में वह विफल रहे। एशिया कप में भी वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये। कुल मिलाकर देखा जाये तो वह पिछली 12 पारियों मे एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 सीरीज में खेले गए दो मैचों में उन्होंने 37 और 5 रन बनाए हैं। शुभमन ने टी20 में अंतिम बार अर्धशतक 13 जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया था। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एकदिवसीय सीरीज में भी शुभमन विफल रहे थे। तीन मैचों की सीरीज में शुभमन गिल रोहित शर्मा के साथ पारी की श-रूआत करते हुए सिर्फ 43 रन ही बना सके। उनका सबसे अधिक स्कोर 24 रन था।

विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया, फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते रहेंगे

टेस्ट प्रारूप पर ध्यान देंगे

ऑकलैंड

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। विलियमसन ने 2024 के बाद से ही टी20 क्रिकेट नहीं खेला है और इस प्रारूप में पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा है। विलियमसन अब अपना पूरा ध्यान टेस्ट क्रि-केट पर लगायेंगे और इसी को देखते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। वह हालांकि फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते रहेंगे।। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि टी20 से सही संन्यास का सही समय है। उन्होंने कहा, मैं सभी से मिले समर्थन के साथ ही सहयोग के लिए भी आभारी हूँ। खेल की यादों हमेशा बनी रहेंगी। उन्होंने कहा कि आज देश में टी20 की काफी प्रतिभाएं हैं। उनके हटने से अब युवा खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा जिससे टीम को टी20 विश्वकप की तैयारी बेहतर तरीके से हो सकेगी। उन्होंने कप्तान मिचेल सेंटनर की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं। साथ ही कहा कि अब टीम को इस प्रारूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने तैयार रहना चाहिए। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि वह किसी न किसी रूप में खेल से जुड़े रहना चाहेंगे और इसके लिए बोर्ड के संपर्क में बने रहेंगे। विलियमसन ने न्यूजीलैंड टीम की ओर से साल 2011 में टी20 डेब्यू किया था और कुछ ही समय में अंदर वह टीम के एक बड़े खिलाड़ी बनकर उभरे। उन्होंने अभी तक 93 टी20क मैचों में कुल 2575 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 18 अर्धशतक लगाये। उनका सबसे अधिक स्कोर 95 रन रहा। विलियमसन ने टी20 प्रारूप में सफल कप्तान की है। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी से टीम को कई बार जीत दिलायी थी। उन्होंने न्यूजीलैंड की ओर से 75 टी20 मैचों में कप्तानी की है जिसमें टीम ने 39 मैचों टीम को जीत हासिल की जबकि 34 में उसे हार का सामना करना पड़ा। उनकी कप्तानी में टीम 2021, 2016 और 2022 टी20 विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी।

टी20 सीरीज में हार के बाद भड़के पूर्व क्रिकेटर रमेश, बोले- भारतीय टीम म्यूजिकल चेयर खेल रही

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया में जारी टी20 सीरीज में भारतीय टीम की हार ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। खासतौर पर दूसरे टी20 मैच में बल्लेबाजी क्रम में किए गए बदलावों को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सदनोप्यन रमेश ने टीम मैनेजमेंट पर कड़ी नाराजगी जताई है। रमेश ने कहा कि टीम लगातार अपने बल्लेबाजी क्रम के साथ म्यूजिकल चेयर खेल रही है, जिससे खिला-ड़ियों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 में भारतीय टीम केवल 125 रन पर सिमट गई थी, जिसे मेजबान टीम

ने चार विकेट से आसानी से हासिल कर लिया। इस मैच में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने खुद को नंबर चार पर भेजा, जबकि संजू सैमसन को नंबर तीन पर उतारा गया। वहीं, हर्षित राणा को शिवम दुबे से पहले बल्लेबाजी करने भेजा गया। रमेश ने इन फैसलों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर टीम ने थोड़ा बेहतर स्कोर करीब 160 से 170 रन बनाए होते तो जीत की संभावना बन सकती थी। उन्होंने कहा, भारत को अपने बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव करना बंद करना चाहिए। सूर्यकुमार यादव पिछले मैच में नंबर तीन पर शानदार खेले थे और नाट आउट भी



रहे थे। फिर उन्हें नीचे क्यों भेजा गया? संजू सैमसन को भी हर मैच में

इरफान पटान ने शुभमन गिल की फॉर्म पर उठाए सवाल, कहा- टीम पर बढ़ेगा यशस्वी को वापस लाने का दबाव

नई दिल्ली

भारतीय टीम के युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल इस समय व्हाइट बॉल क्रिकेट में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। वनडे टीम की कप्तानी संभालने के बाद से वह बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहे हैं। लगातार असफलताओं ने न सिर्फ उनके आत्मविश्वास पर असर डाला है, बल्कि टीम मैनेजमेंट के लिए भी नई चुनौती खड़ी कर दी है। बारिश से प्रभावित पहले वनडे में उन्होंने 20 रैंदों पर नाबाद 37 रन बनाए थे, लेकिन मैच रद्द हो गया। वहीं दूसरे मैच में वह मात्र पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पटान ने गिल के हालिया प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए कहा है कि अगर उन्होंने जल्द फॉर्म नहीं पकड़ी, तो उन पर टीम में अपनी जगह बचाने का दबाव बढ़ जाएगा। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए इरफान ने कहा, शुभमन गिल को संजू



सैमसन की जगह ओपनिंग के लिए लाया गया, जिन्होंने पहले तीन शतक जड़े थे। गिल में क्षमता है, नेतृत्व का गुण है और आईपीएल में बड़े स्कोर बनाने का रिकॉर्ड भी है, लेकिन उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टी20 में प्रदर्शन करना होगा। पिछली 10 पारियों में

अलग पोजीशन पर भेजा जा रहा है कभी ओपनिंग, कभी पांचवें नंबर पर और अब तीसरे पर। इससे खिला-ड़ियों में अस्थिरता आ रही है और कोई भी अपनी भूमिका को लेकर स्पष्ट नहीं है। रमेश ने हर्षित राणा को शिवम दुबे से पहले भेजने के फैसले की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, एक अच्छा कुक को ड्राइवर नहीं बनाया जा सकता, और एक ड्राइवर से उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह अच्छा खाना बनाए। इसी तरह, मैनेजमेंट को हर खिलाड़ी की ताकत समझनी चाहिए और उसी भूमिका में उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराना चाहिए। अगर खिलाड़ी अतिरिक्त कुछ कर

सके तो वह बोनस है, लेकिन उनकी मुख्य भूमिका नहीं बदलनी चाि-हए। पूर्व बल्लेबाज ने आगे कहा कि भारतीय टीम की मौजूदा रणनीति खिलाड़ियों की प्राकृतिक क्षमताओं के साथ न्याय नहीं कर रही। उन्होंने चेताया कि अगर टीम मैनेजमेंट ने जल्द स्पष्टता नहीं लाई, तो भारत को ऐसे नतीजे बार-बार देखने पड़ सकते हैं। रमेश ने कहा, टीम को रोल क्लैरिटी की जरूरत है। बल्लेबाज को पहले बल्लेबाजी में और गेंदबाज को पहले गेंदबाजी में बेहतर करने का मौका मिलना चाि-हए। यही जगह है जहां भारत फिलहाल फिसल रहा है।

टीम इंडिया में आने दरवाजा

खटखटा रहा वैभव सूर्यवंशी : धूमल

आईपीएल से लेकर टेस्ट क्रिकेट तक मचाया धमाल

नई दिल्ली

आईपीएल 2025 के बाद से वर्ल्ड क्रिकेट में चर्चा का केंद्र बने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा चेहरा माने जा रहे हैं। आईपीएल में अपने दमदार प्रदर्शन से पहचान बनाने वाले वैभव ने इसके बाद अंडर-19 स्तर पर भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। लिमिटेड ओवर क्रिकेट के साथ-साथ टेस्ट प्रारूप में भी उन्होंने अपने खेल का ऐसा नमूना पेश किया है, जिससे क्रिकेट विशेषज्ञ और फैस दोनो ही दंग हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वैभव कब भारतीय सीनियर टीम की नीली जर्सी में नजर आएंगे। आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने हाल ही में इस युवा बल्लेबाज की जमकर तारीफ की और कहा कि वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। उन्होंने कहा, हम वषों से भारतीय क्रिकेट की बेच स्ट्रेंथ की बात करते रहे हैं, और आज हमारे पास इसका जीता-जागता उदाहरण है एक 14 साल का प्रतिभाशाली खिलाड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार है। धूमल ने इस मौके पर रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये दोनों अब भी भारतीय क्रिकेट के स्तंभ हैं



और उनके अनुभव से युवा खिला-ड़ियों को प्रेरणा मिल रही है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में रोहित शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। धूमल ने कहा, रोहित और कोहली जैसे खिलाड़ी केवल रन नहीं बनाते, बल्कि उदाहरण पेश करते हैं। रोहित ने जिस तरह से इस सीरीज में अपनी क्लास दिखाई, वह बताता है कि उनमें अब भी वैसी ही भूख और जुनून है जैसी करियर की शुरुआत में थी। यही वजह है कि भारतीय क्रि-केट दुनिया में इतनी मजबूती से खड़ा

है क्योंकि हमारे पास अनुभव और नई प्रतिभा, दोनों का सही संतुलन है।ह वैभव सूर्यवंशी का नाम अब केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक क्रिकेट जगत में गुंज रहा है। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता के साथ परिपक्वता भी देखने को मिलती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर वह इसी लय में आगे बढ़ते रहे, तो आने वाले वषों में वह भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार बन सकते हैं। फिलहाल, फैस बेसब्री से उस पल का इंतजार कर रहे हैं, जब यह 14 वर्षीय बल्लेबाज टीम इंडिया के लिए डेब्यू करते हुए मैदान पर उतरेगा।

रणजी ट्रॉफी में यशस्वी बल्ले से बरपा रहे कहर

नई दिल्ली

भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इन दिनों शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। हाल ही में वह टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए थे, जहां उन्हें वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, दुर्भाग्यवश उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन भारत लौटते ही यशस्वी ने रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम मुंबई के लिए जोरदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को एक बार फिर अपनी काबिलियत का

अहसास कराया। रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी के मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ खेलते हुए यशस्वी ने 67 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 97 रैंदों का सामना किया और 8 चौके व 1 छक्का लगाया। शुरुआत में उन्होंने मुशीर खान के साथ मिलकर मुंबई के लिए पहले विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की। मुशीर 97 रैंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन यशस्वी ने अपनी लय बनाए रखी और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टेस्ट क्रिकेट में यशस्वी



जायसवाल ने पहले ही खुद को टीम

इंडिया के लिए एक भरोसेमंद

ओपनर के रूप में स्थापित कर लिया है। इस साल उन्होंने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सबका ध्यान खींचा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की तीन पारियों में उन्होंने 219 रन बनाए, जिसमें 175 रन की यादगार पारी शामिल थी। इसी तरह, इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी और 10 पारियों में कुल 411 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। लाल रेंद क्रिकेट में यशस्वी की निरंतरता और

आत्मविश्वास ने उन्हें भारत के टेस्ट बल्लेबाजी क्रम का अहम हिस्सा बना दिया है। अब रणजी ट्रॉफी में उनकी वापसी यह साफ दर्शाती है कि यह युवा बल्लेबाज न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्कि घरेलू क्रिकेट में भी लगातार अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। यशस्वी का यह प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए आने वाले समय में शुभ संकेत है, खासकर तब जब भारतीय क्रिकेट को युवा और भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों की जरूरत है।

मुंबई

बालीवुड एक्टेस कृति खरबंदा के करियर की शुरुआत मॉडलिंग और विज्ञापन फिल्मों से हुई, जहां उनकी मासूम मुस्कान ने लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद साल 2009 में उन्हें तेलुगु फिल्म बोनी से पहला बड़ा ब्रेक मिला। दक्षिण भारतीय फिल्मों में कुछ सालों तक अपनी प्रतिभा साबित करने के बाद उन्होंने 2016 में फिल्म राजन रिवूट से बॉलीवुड में कदम रखा। कृति के करियर का असली मोड़ 2017 में आया, जब वह राजकुमार राव के साथ फिल्म शादी में जरूर आना में नजर आईं। उत्तर प्रदेश के एक छोटे शहर की पौसीएस अधिकारी आरती शुक्ला का उनका किरदार आज भी दर्शकों के दिल में ताजा है। कृति ने इस भूमिका को सिर्फ निभाया नहीं, बल्कि उसे जिया। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म की शूटिंग के दौरान जब वह पारंपरिक दुल्हन के जोड़े में तैयार हुईं, तो सेट का माहौल इतना वास्तविक था कि उन्हें लगा मानो वह उनकी अपनी शादी हो रही हो। शादी की रस्में, सज-ावट, परिवार का भावुक माहौल इन सबने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया। कृति के अनुसार, उस पल में काल्पनिक और वास्तविकता की सीमाएं धुंधली हो गई थीं। उन्होंने बताया कि वह बार-बार भावुक हो जाती थीं, क्योंकि उस दृश्य में वह उस



लड़की की भावनाओं को महसूस कर रही थीं, जो अपने सपनों और स्वाभिमान के बीच चुनाव कर रही है। यही गहरा जुड़ाव उनके अभिनय में सच्चाई लेकर आया। इस फिल्म ने कृति को दर्शकों के दिलों में एक मजबूत पहचान दी और यह साबित किया कि वह केवल खल्लेम का हिस्सा नहीं, बल्कि एक सशक्त अभिनेत्री हैं। कृति ने कहा था कि शादी के सामने नहीं, आना उनके जीवन का एक जादुई अनुभव था। उन्हें इस फिल्म से जो प्यार और पहचान मिली, वह किसी भी आर्थिक सफलता से कहीं ज्यादा मायने रखती है। इससे पहले कृति ने कन्नड़ फिल्म प्रेम अड्डा में भी यह दिखाया था कि वह किरदार के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। उस फिल्म में उन्होंने बिना मेकअप के 80 के दशक की ग्रामीण लड़की का किर-दार निभाया था। अपनी गोरी रंगत के

कारण उस किरदार में ढलना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अपनी मां के साथ मिलकर खुद कपड़े डिजाइन किए ताकि लुक पूरी तरह असली लगे। कृति खरबंदा आज बॉलीवुड में अपनी सादगी, मेहनत और अभिनय की सच्चाई के लिए जानी जाती हैं। उनकी यात्रा यह साबित करती है कि सच्चा अभिनय सिर्फ कैमरे के सामने नहीं, बल्कि दिल के भीतर से जन्म लेता है। बता दें कि कृति खरबंदा एक ऐसा नाम जो सुनते ही चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। कभी उनकी शरारती हंसी दिल को छू जाती है, तो कभी उनकी सादगी मन मोह लेती है। दिल्ली में 29 अक्टूबर 1990 को जन्मी कृति ने कभी नहीं सोचा था कि वह एक दिन बॉलीवुड की चमकती दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाएंगी।



नन्हा शिशु बहुत कोमल होता है। जरा-सी लापरवाही उसके लिए नुक्सानदेह हो सकती है। इस कला में निपुण होने के लिए निम्न बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

शिशु को नहलाना भी एक कला है

- बच्चे को नहलाते समय आपकी यही कोशिश होनी चाहिए कि वह पानी से डरने की बजाय स्नान में आनंद व प्रसन्नता का अनुभव करे। बच्चे को टब में बिठा कर नहलाएं। पानी से कलोल करने में उन्हें आनंद आता है, जिसे वे अपनी किलकारियों से प्रकट करते हैं। उसके इस आनंद में आप भी शामिल हों और अपना व अपने बच्चे का आनंद बढ़ाएं।
- शिशु को नहलाना शुरू करने के पहले सभी आवश्यक सामान अपने पास पहले ही रख लें ताकि आपको बीच में उठना न पड़े।
- बच्चे को नहलाने से तभी निश्चित करें, जब आपके पास पर्याप्त समय हो। हड़बड़ी में नहलाने से बच्चा पानी से भय खा सकता है।
- नहलाने से पहले बच्चे के शरीर की तेल से मालिश करें। मालिश करते समय सावधानी बरतें कि हाथ कोमलता से चलें और बच्चों के नाजुक अंगों को कोई झटका न लगे।
 - मालिश के कुछ समय बाद ही नहलाना ठीक रहता है। सर्दी में बच्चों को धूप-स्नान देने के बाद ही

नहलाना चाहिए। मालिश के बाद नहलाने से बच्चे की त्वचा स्वस्थ होती है। बच्चे की मांसपेशियों को व्यायाम व विश्राम मिलता है और बच्चा तनाव-थकान मुक्त होकर आराम की नींद सोता है।

● नहलाते समय आपके हाथ एकदम साफ हों, नाखून कटे हुए हों। यदि आपके हाथ में चुभने वाली चुड़ी, घड़ी या अंगूठी है तो उसे उतार दें।

● शिशु को न तो दूध पिलाने के एकदम बाद नहलाएं और न ही जब वह बहुत भूखा हो या किसी कारणवश रो रहा हो। स्नान के बाद उसे भली-भांति पोंछ कर मौसम के अनुकूल वस्त्र पहना कर दूध की खुराक दें ताकि पेट भर जाने के बाद ताजगी व प्रफुल्लता से शांति व आराम से देर तक सोता रहे।

● इस प्रकार आपकी थोड़ी-सी सावधानी व सूझ-बूझ बच्चों को स्वस्थ व प्रसन्नचित रखने में सहायक होगी और आप भी अपने साफ-सुथरे लाडले को आराम से सोता, खेलता देख कर खुश रहेंगी।

पॉजीटिव एनर्जी भी जरूरी

किसी भी घर में सुख-शांति बनाए रखने के लिए वास्तु बहुत उपयोगी होता है। वास्तु यह सुनिश्चित करता है कि घर में पॉजीटिव एनर्जी प्रवेश करे और सारी नेगेटिव वेक्स भाग जाएं। जब बात दीवाली की आती है तो वास्तु का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है।

चीजों का स्थान बदल दें

वास्तु के अनुसार घर में रखी कुछ चीजों को इधर से उधर जरूर रखना चाहिए। यदि आप सोफे पर रखा कुशन भी एक सोफे से दूसरे सोफे पर रख दें तो भी आपका काम हो जाएगा। शो-पीस, फ्लायर पॉट या फिर सोफा इत्यादि को एक-दूसरे के स्थान पर बदल कर रख सकती हैं।

नमक के पानी का छिड़काव

यू तो पोंछा लगाने वाले पानी में नमक डालने से नेगेटिव एनर्जी दूर होती है परंतु आप दीवाली की सफाई के दौरान पानी में नमक मिला कर इसे घर के हर कोने में छिड़कते हैं तो भी यह घर की नेगेटिव एनर्जी को सोख लेता है।



दीवाली हो मीठी-सी

इस दिन आपके घर में चीनी की बिल्कुल भी कमी नहीं होनी चाहिए। यह एक रस्म है जो सुनिश्चित करती है कि आप का पूरा साल मीठा बीते। घर आए मेहमानों का मुंह मिठाई, कैक, बिस्कुट या चॉकलेट से अवश्य मीठा

कराएं। इससे रिश्तों में भी मिठास बनी रहती है।

मुख्य प्रवेश द्वार

आपके घर का मुख्य प्रवेश द्वार बेहतरीन अवसरों को आप तक पहुंचाने में मदद करता है। इसलिए मेन गेट के सामने कोई अवरोध नहीं होना चाहिए तथा मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए दरवाजे के सामने खूबसूरत रंगोली अवश्य बनानी चाहिए।

धन के लिए उत्तर जाइए

घर में उत्तर दिशा को कुर्बे का स्थान कहा जाता है। सुनिश्चित करें कि माता लक्ष्मी की मूर्ति यहीं रखी जाए और गणेश जी की मूर्ति उनके दाहिने ओर हो। इसके अलावा मूर्तियों को लाल रंग के वस्त्र पहनाएं तथा उनका पूरा श्रृंगार करें।

बहता हुआ पानी

बहता पानी घर की सारी नेगेटिव एनर्जी को अपने साथ बहा कर ले जाता है। आप भी इन दिनों अपने घर के नॉर्थ-ईस्ट साइड में कोई छोटा-सा झरना लगा सकती हैं।

नौकरी पर परिवार को वरीयता देती महिलाएँ



पूरे देश में एक लाख गृहणियों पर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि ज्यादातर महिलाएं घर की जिम्मेदारी बखूबी संभालने के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। यह सर्वे साठ साल तक की महिलाओं पर किया गया था।

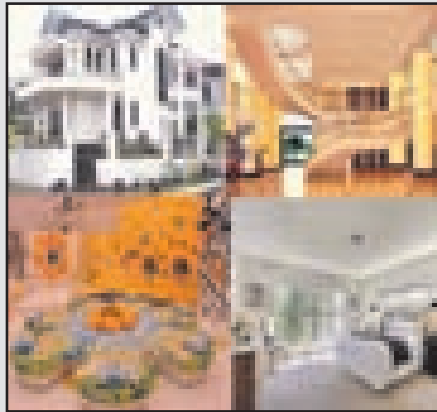
डॉक्टर की डिग्री लेकर जॉब कर रही 34 साल की निशा की जिंदगी तब आसान नहीं रह गई जब उनका पहला बच्चा हुआ। उनके इंजीनियर पति और उनके पढ़े लिखे परिवार ने निशा को नौकरी छोड़कर होममेकर बनने की सलाह दी। बच्चे व परिवार की देखभाल के लिए उसे यह कदम उठाना सही लगा। आजकल ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार और बच्चे की देखभाल के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं।

हैं। निशा की सैलरी 40 हजार रुपए होते हुए भी उसे यही लगा कि उसे यह फैसला करना पड़ेगा। क्योंकि उसे अपने आस-पास कोई मदद करने वाला नहीं दिखा। ज्यादातर घरों में महिलाएं तभी जॉब कर पाती हैं जब उनके परिवार में उनके बच्चे को संभालने वाला कोई होता है। चाहे वह सास हों या मां या फिर जेठानी-देवरानी। नेशनल सैपल सर्वे आर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार जहां 2009-10 में भारत में जहां 47 फीसद महिलाएं होममेकर थीं, वहीं 1999-2000 में इसमें करीब पांच से छह प्रतिशत का इजाफा हुआ है। अब ज्यादातर भारतीय महिलाएं अपने परिवार की देखभाल के लिए अपना करियर और जॉब को छोड़ रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है- एकल परिवार। एकल परिवार में महिलाओं को घर-परिवार और नौकरी की दोहरी जिम्मेदारी अकेले ही उठानी पड़ती है। परिवार की जिम्मेदारी बखूबी निभाने में वे चौतरफा दबाव में रहती हैं। कहीं यह

मजबूरी में है तो कहीं खुशी से। एक सर्वे के मुताबिक करीब 15 से 17 फीसद महिलाएं सामाजिक व पारिवारिक दबाव में होममेकर रहती हैं। वहीं लगभग सात से दस फीसद महिलाएं घरेलू काम इस वजह से करती हैं कि वे मेड़ का खर्च नहीं उठा सकती। अभी पिछले दिनों जापान से खबर आई है कि वहां भी महिलाएं नौकरी छोड़ कर होममेकर बनना चाहती हैं। यह एक बड़ा बदलाव है। शायद ग्लोबल भी। पूरे देश में एक लाख गृहणियों पर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि ज्यादातर महिलाएं घर की जिम्मेदारी बखूबी संभालने के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। यह सर्वे साठ साल तक की महिलाओं पर किया गया था। हालांकि होममेकर के काम को आजकल कोई महत्व नहीं दिया जाता। देश की छोड़िए घर की इकोनामी प्रॉफिट में भी कभी उनके काम को शामिल नहीं किया जाता। मगर देखा जाए तो आज महिलाओं की जब कोई मदद करने वाला नहीं होता, तो उनके पास कोई विकल्प नहीं बचता।

पिछले दिनों गृहणियों को पति की सैलरी का कुछ हिस्सा उनकी मेहनत के लिए दिए जाने की बात चली पर समय के साथ ठंडी पड़ गई। वैसे भी जिस घर और पति पर एक होममेकर का पूरा अधिकार है तो फिर मेहनताना किस बात का? और अपने इसी घर-परिवार को संभालने के लिए आज ज्यादातर महिलाएं होममेकर की भूमिका निभाना चाहती हैं। घर परिवार की जिम्मेदारी के साथ-साथ महिलाएं अब घर पर रहकर ही छोटे-छोटे काम कर अपनी पॉकेट मनी निकाल लेती हैं। ऐसे में परिवार के साथ-साथ उन्हें इस बात का भी मालाल नहीं रह जाता कि वह जॉब नहीं कर रही या उनकी शिक्षा बेकार जा रही है। आजकल की आधुनिक युवा महिलाएं शानदार पेंटिंग बना रही हैं तो घर पर फैशन डिजाइनिंग का काम भी कर रही हैं। कुछ महिलाएं टिफिन से लेकर पापड़-बाँड़या तक का कारोबार कर रही हैं। यों काम कोई छोटा-बड़ा नहीं। सबसे अहम यह है कि परिवार पर आप ध्यान दे रही हैं और आप खाली भी नहीं हैं। कुछ न कुछ तो कर ही रही हैं।

फैशन ट्रेड्स फॉर वॉल्स से स्टाईलिश बनाएं सपनों का घर



आपके घर को सुंदर और स्टाईलिश बनाने के लिए विश्व की सबसे बड़ी पेंट एवं कोटिंग कंपनी एक्जोनोबल के ब्रांड इयूलक्स ने एक ब्रांड फैपेन के माध्यम से अपने नये

इयूलक्स वेल्वेट टच कलेक्शन- 'फैशन ट्रेड्स फॉर वॉल्स' प्रस्तुत किया है। इयूलक्स वेल्वेट टच-फैशन ट्रेड्स फॉर वॉल्स फैशन से प्रेरित हाई-एंड इमल्शन (सजावटी पेंट) की पेशकश है जो आपके घर के वातावरण को फिर से ताजा करके इसे सुंदर, स्टाईलिश एवं 'सिंपली यू' बनाएगा। इस बारे जानकारी देते हुए निदेशक-विक्रय एवं विपणन सजावटी पेंट्स, एक्जोनोबल इंडिया राजीव राजगोपाल ने बताया, 'पिछले तीन दशकों से, इयूलक्स वेल्वेट टच भारत का अग्रणी इमल्शन ब्रांड बनकर उभरा है और 'होम डेकोर के क्षेत्र में इसने अलग जगह बनायी है। 'फैशन ट्रेड्स फॉर वॉल्स' ब्रांड पोजिशनिंग से कहीं बढ़कर है। इयूलक्स वेल्वेट टच के ब्रांड एम्बेसडर व अभिनेता, निर्देशक, गायक फरहान अख्तर और प्रमुख फैशन डिजाइनर मनीष मलहोत्रा के मुताबिक, 'उनके लिए फैशन कार और कपड़ों से कहीं ज्यादा है। यह उस घर के विषय में भी हो सकता है, जिसमें हम रहते हैं और इयूलक्स पिछले कई वर्षों से अपनी वेल्वेट टच श्रृंखला के साथ घरों और उसमें रहने वाले लोगों को उनकी रचनात्मकता प्रस्तुत करने और स्टाईलिश बनने का माध्यम उपलब्ध करा रहा है। यह प्रमुख कारणों में से एक है कि उन्होंने इयूलक्स वेल्वेट टच का चयन किया।

ऐसे बनता है सुंदर और सौम्य व्यक्तित्व

- सभ्य, सुसंस्कृत, फैशनेबल दिखने वाली स्त्री जिसका मुख खुलते ही बाह्य आवरण उड़ जाए यानी उसका गलत उच्चारण हो, गंदे और मैले दांत हों।
- खाते-पीते समय मुख की आकृति बेकाबू रहती हो।
- हंसने-मुस्कुराने के अंदाज का अभाव हो।
- बन-बनकर इटलाती-इतराती बोलती हो।
- व्यवहार में शिष्टाचार का अभाव हो। मौके-बेमौके सार्वजनिक स्थलों पर भी व्यवहार व बातचीत के तौर-तरीकों का अभाव हो।
- चपर-चपर कर खाती हो।
- शारीरिक अंग-प्रत्यंगों का संतुलन खोकर उच्छृंखल कदमों की बेताल चाल चलने वाली हो।
- वस्त्रों का सुरुचिपूर्ण चुनाव तथा पहनने-ओढ़ने की कला का अभाव हो।
- मौसम, आयु व अवसर के प्रतिकूल पहनावा हो।
- चेहरे पर उम्र की मार को नकारते हुए बालों को डाई किया हुआ हो।
- खूबसूरत साड़ी में बेजोड़ ब्लाउज को छिपाने का व्यर्थ प्रयास किया गया हो।
- किसी पार्टी में सबसे आगे भीड़ में घुसकर खाना ले रही हों।
- हाथ नचाकर या ताली पीटकर या किसी के कंधे या हाथ पर मारकर बातें कर रही हो।
- बातों में छिछोरे शब्दों का प्रयोग या गाली-गलौज से बातें करने वाली हो।
- ब्लाउज में हुक के स्थान पर पिन का प्रयोग या कंधे पर

- ढीले ब्लाउज से झांकता ब्रा का स्ट्रेप हो।
- मोटी थुलथुल कमर पर ऊंचा सा ब्लाउज तथा नाभिदर्शना साड़ी पहने हो।
- मोटी-मोटी बांहों पर स्लीवलेस ब्लाउज पहनकर सबके सामने बांहें उठाकर बैठी हो।
- कुर्सी पर एक टांग दूसरी पर रखकर ऐसे बैठी हो कि खुली टांगें भेदी दिखें।
- जल्दी-जल्दी में लिफ्टिक पोतने के प्रयासों में दांतों पर दाग लग गया हो।
- सांवले रंग पर बेमेल चटख रंगों के कपड़ों का चुनाव किया गया हो।
- ढलती उम्र में बहुत पतली नुची-खुची भवें रखी गई हों या झुर्रीदार आंखों पर मेकअप या प्रौढ़ावस्था में हैवी मेकअप हो।
- लम्बे नाखून मगर शोप रहित व गंदे मैल भरे हों।
- पुरुषों के बीच बैठकर बेवजह आकर्षण का केन्द्र बनने की कोशिश हो।
- शॉपिंग के समय दुकानदार से बेवजह बहस कर रही हो।
- फैशन की अंधी दौड़ में बहकर चेहरे के शोप के प्रतिकूल सज्जा की हो।

महिलाएं अपने सौंदर्य को लेकर बहुत सतर्क रहती हैं। लेकिन सौंदर्य सिर्फ त्वचा की देखभाल तक ही सीमित नहीं है। आचरण, आदतें और व्यवहार भी सुंदर और सौम्य व्यक्तित्व के लिए जरूरी हैं। कुछ आदतें जो किसी महिला की छवि गलत बनाती हैं वह इस प्रकार हैं-



मैदान में जोश, दिलों में लोकतंत्र

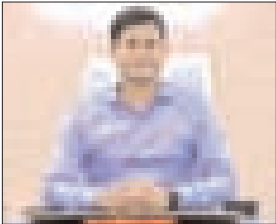


नवप्रदेश, बेतिया: महाराजा स्टेडियम, बेतिया में आयोजित राज्य स्तरीय अंतर प्रमंडल फुटबॉल बालिका खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में इस बार खेल भावना के साथ मतदाता जागरूकता का अनूठा संगम देखने को मिला। जिला स्वीप कोषांग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में नोडल पदाधिकारी, मीडिया कोषांग, श्री राकेश कुमार ने विभिन्न प्रमंडलों से आई बालिका खिलाड़ियों को मतदान करने का संकल्प दिलाया और लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया। उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए ममतादाता जागरूकता के

संदेश के साथ सेल्फी लेकर मतदाताओं से 11 नवंबर को मतदान अवश्य करने की अपील की। कार्यक्रम में स्वीप टीम की सदस्याएं सुश्री मेरी एडलीन, श्रीमती रानी कुमारी, शर्मीम आरा, तथा अन्य सदस्य उत्तम सिंह, रामएकबाल, संजय कुशवाहा, रविकांत झा, नंदु महतो, जुलुम साह सहित कई पदाधिकारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। नोडल पदाधिकारी, मीडिया कोषांग ने कहा कि खेल के माध्यम से मतदाता जागरूकता फैलाने की यह जिला प्रशासन की पहल सराहनीय है। ऐसे प्रयास युवाओं को लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेंगे।

शांतिपूर्ण चुनाव के लिए जिले में शस्त्र जमा करने का विशेष अभियान

बेतिया: बिहार विधान सभा आम निर्वाचनझ2025 के मधेनजर आदर्श आचार संहिता लागू होने के पश्चात जिले में लोक शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने तथा निष्पक्ष एवं भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने हेतु पश्चिम चंपारण जिला प्रशासन ने शस्त्र जमा कराने का विशेष अभियान चलाया। दिनांक 01 नवम्बर 2025 को जिलेभर में विशेष अभियान के तहत बेतिया पुलिस जिला में 2232 तथा बगहा पुलिस जिला में 997 लाइसेंसी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारकों द्वारा अपने शस्त्र संबंधित थानों एवं प्राधिकृत प्रतिष्ठानों में जमा कराए गए। इसके उपरांत शेष बचे शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के संदर्भ में आज जिला दंडाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्क्रीनिंग समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि जिन्होंने पूर्व आदेश के बावजूद अपने शस्त्र



जमा नहीं कराए हैं, उनका वह कृत्य शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 17(3)(b) एवं (d) का उल्लंघन माना जाएगा। अतः ऐसे अनुज्ञप्तिधारकों के शस्त्र अनुज्ञप्ति को आगामी निर्वाचन प्रक्रिया की अवधि (मतगणना समाप्ति तिथि + एक दिवस तक) के लिए निलंबित करने का निर्णय लिया गया। **हालांकि निम्नलिखित श्रेणियों को इस आदेश से छूट (Exemption) प्रदान की गई है:**
॥ केन्द्रीय एवं राज्य सुरक्षा बल तथा ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मी
॥ बैंक कैश क्लीकर, कैश वैन

सभा में नृत्य और गीत संगीत कराने पर दर्ज हुआ आचार संहिता उल्लंघन का मामला

अररिया: फारबिसगंज से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे राजा रमण भास्कर को सभा किए जाने हेतु प्राप्त आदेश की शर्तों के उल्लंघन के मामले में आचार संहिता उल्लंघन का मामला सिमरहा थाना में दर्ज कराया गया है। सभा के आड़ में रैम्य बनाकर भोजपुरी नृत्यांगना माही मनीषा का कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर उसके खिलाफ सिमरहा थाना में आचार संहिता उल्लंघन को प्राथमिकी कांड संख्या 274/25 धारा 223(ए), 174, 176 बीएनएस के तहत उड़नदस्ता दल फारबिसगंज के दंडाधिकारी के द्वारा मामला दर्ज कराया गया है। दर्ज प्राथमिकी में स्पष्ट तौर पर बताया गया कि चुनावी सभा के लिए औराही पूरब चंचायत के सिमरहा बाजार में अनुमति प्रशासन से ली गई थी।

बेगूसराय पहुंचे राहुल गांधी ने तालाब में उतरकर मछली पकड़ना सीखा



नवप्रदेश, पटना: बिहार विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को बेगूसराय जिले पहुंचे कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी का एक अलग ही अंदाज दिखा। राहुल गांधी को यहां तालाब में तैराकी करते और मछली पकड़ते देखा गया। राहुल गांधी आज चुनाव प्रचार के लिए बेगूसराय में थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह से तालाब में तैयारियां चल रही थीं। जब राहुल गांधी पहुंचे, तो ग्रामीणों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। फिर मुकेश सहनी जैसे ही तालाब में कूदे, राहुल गांधी भी बिना हिचकिचाए तालाब में उतर गये और स्थानीय मछुआरों के साथ

मिलकर मछली पकड़ने की पारंपरिक प्रक्रिया में भाग लिया। मौके पर विकासशील इन्सान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार भी राहुल गांधी के साथ मौजूद थे। तीनों नेताओं ने एक साथ तालाब में उतरकर ग्रामीणों के साथ बातचीत की और स्थानीय भोजन का स्वाद भी चखा। राहुल गांधी को ऐसा करते देख वहां मौजूद लोग भी उत्साहित नजर आए। राहुल गांधी का तालाब में उतरने और तैरते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। लोग जमकर इस वीडियो को शेयर भी कर रहे हैं।

हैलोवीन' मनाने पर घिरे लालू यादव, भाजपा ने दिलाई 'महाकुंभ' की याद

निरंकार भास्कर, नवप्रदेश

पटना: राष्ट्रीय जनता दल के मुखिया लालू प्रसाद यादव का 'हैलोवीन फेस्टिवल' मनाते हुए वीडियो सामने आने के बाद बीजेपी हमलावर हो गई है। बीजेपी ने महाकुंभ के दौरान लालू यादव के बयान को याद दिलाया, जिसमें उन्होंने महाकुंभ को 'बेकार' बताते हुए इसकी आलोचना की थी।

दरअसल, शनिवार को लालू यादव का एक वीडियो शेयर किया गया था, जिसमें वह अपने पोते-पोतियों के साथ विदेशी त्योहार हैलोवीन मनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। लालू यादव की बेटी और पक्कू नेता राहिंगी आचार्य ने भी एक पोस्ट में सेलिब्रेशन की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'हसभी को हैप्पी हैलोवीन! पक्कू चोपा अपने पोते-पोतियों के साथ तस्वीरें लेते हुए दिखे, जो हैलोवीन के लिए तैयार हुए थे।



लालू परिवार के हैलोवीन सेलिब्रेशन पर बीजेपी किसान मोर्चा (इखडडट) ने पर पोस्ट कर लिखा कि भूलना मत बिहार वासियों, यही लालू यादव था, जिसने आस्था और आध्यात्म के महाकुंभ को फालतू बताया था और अंग्रेजों का त्योहार 'लैंड्सलील' मना रहा है। पोस्ट में आगे लिखा है, "जो आस्था पर करेगा चोट, बिहार वासी नहीं करेंगे उसको वोट।

लालू यादव ने महाकुंभ पर क्या कहा?: इस साल फरवरी में पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव ने महाकुंभ मेले को बेकार कहकर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था। जब उनसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में धार्मिक सभा के लिए जा रही भारी भीड़ के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, कुंभ का कोई मतलब नहीं है... यह सब बेकार है। तब भी बीजेपी ने यादव के बयानों पर उन पर

जोरदार हमला किया था। बिहार बीजेपी के प्रवक्ता मनोज शर्मा ने कहा कि इससे हिंदू धर्म के प्रति पक्कूकी सोच का पता चलता है। उन्होंने कहा था, वह अपनी तुष्टीकरण राजनीति की वजह से ऐसी बातें कर रहे हैं। RJD नेताओं ने हमेशा हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं का अपमान किया है। लालू प्रसाद का महाकुंभ को बेकार बताना पार्टी की हिंदू धर्म के प्रति सोच को दिखाता है।

सरकार बनी तो होंगे कई उपमुख्यमंत्री, मुस्लिम और दलित को भी मौका : तेजस्वी यादव

नवप्रदेश, पटना: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए मतदान में अब महज कुछ दिन बचे हैं। इस बीच, राजद नेता तेजस्वी यादव ने महागठबंधन को सत्ता में लाने पर कई उपमुख्यमंत्री बनाने का संकेत दिया है, जिनमें मुस्लिम और दलित भी शामिल होंगे। महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे ने कहा कि विभिन्न वर्गों की चिंताओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने अशोक गहलोत की टिप्पणी और मुकेश साहनी के संदर्भ में कहा कि मुस्लिम और दलित उपमुख्यमंत्री जरूर होंगे।

इससे पहले, हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में भी तेजस्वी ने गहलोत के बहु-उपमुख्यमंत्री वाले बयान का जिक्र किया था। तेजस्वी यादव ने भाजपा पर तंज कसा कि विपक्ष की ओर से उपमुख्यमंत्री पद के लिए नामों की घोषणा पर विवाद खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'बीजेपी को ईबीसी समुदाय के प्रतिनिधि को



उपमुख्यमंत्री बनाने पर आपत्ति है। उनकी आईटी सेल हॉव उन समुदायों के प्रतिनिधि न बनाने पर टोल कर रही है, जिन्हें वे घुसपैठिए कहते हैं।' हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार में मुस्लिम उपमुख्यमंत्री होगा या नहीं। तेजस्वी ने कहा, 'हम इस संभावना से इनकार नहीं कर रहे। इंतजार कीजिए और देखिए। यह किसी भी समुदाय से हो सकता है।'

बिहार बुलाए गए अशोक गहलोत

कांग्रेस के सीनियर नेता अशोक

मौर्य वंशी अपनी ताकत समझे

नवप्रदेश, बेतिया: बिहार विधानसभा चुनाव पर एक चर्चा परिचर्चा मौर्य वंशी समाज से जुड़े व्यक्ति द्वारा एक निजी होटल के सभागार कक्ष में आयोजन किया गया जिसमें राजनीति जिले सभा विधानसभा क्षेत्र से आए बुद्धि जिवी कुशवाहा समाज के लोगों को सम्बोधित करते हुए पुन्यदेव प्रसाद ने कहा कि आज के परिवेश में हमरा समाज कई भागों में बट गया है और अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा पुरा करने के लिए इस समाज को गुमराह कर रहे हैं सभी इस समाज को अपना हितैषी बता कर सिर्फ वोट लेने का काम करते आ रहे हैं जरा गौर से देखा जाए तो आबादी के अनुसार किसी राजनीतिक नितिक दल ने हमें हिस्से दारी नहीं दिया है और दिखावे के लिए एक दो राजनीतिक कुर्सी पर बिठा कर उसी का सहरा लेकर हमारे समाज को गुमराह कर रहे हैं ऐसे में हमें सोचना होगा कि कि

आखिर में हम किसका साथ दे और किसे नहीं इतिहास उठा कर देख लें कि इस समाज से जिते कितने जन प्रतिनिधि अपने समाज के लोगों को इस चुनाव में टिकट दिलाने में सफल रहे हैं ऐसे कई विधान सभा क्षेत्र है जहां पर हमारे समाज लोगों के अबादी सबसे अधिक है परन्तु वाहा इस समाज से कोई राजनीतिक दल इस समाज से जुड़े व्यक्तियों को अपना प्रत्याशी नहीं बन पाया ऐसा क्यों इसकी कमी है कि हम अपने हक के लिए लड़ाई नहीं लड पा रहे हैं और कुशवाहा समाज के हितैषी बताने वाले राजनेताओं के चक्कर पड कर अपने मत रूपी ताकत को दे अपनी ताकत खो दे रहे हैं अभी समय है अपनी एकता का परिचय देते हुए अपने समाज के हित में कार्य करने वाले को हाथ दे और इस लोकतंत्र के महापर्व में चढ बढ कर हिस्सा ले मौके पर जयप्रकाश सिंह कुशवाहा, रमेश चंद्र उपाध्याय, आदि ने अपने अपने विचार रखे।

कौन हैं एनएसजी कमांडो सर्वेश कुमार सुमन?

जनकी बिहार ही नहीं पूरे देश में हो रही चर्चा

नवप्रदेश, पटना: देश की सुरक्षा में हर पल तत्पर लाखों सुरक्षाकर्मियों में कुछ ऐसे वीर सपूत होते हैं, जिनकी बहादुरी और समर्पण की कहानियां पीढ़ियों तक याद रखी जाती हैं। इन्हीं में से एक हैं बिहार के निवासी सर्वेश कुमार सुमन, जो एक बार फिर पूरे देश में सुर्खियों में हैं। देश हित में लाखों सुरक्षाकर्मि कार्यरत हैं। इनमें से कुछ ऐसे जांबाज है, जो अपनी ड्यूटी/कर्तव्य के दौरान अदम्य साहस का ऐसा परिचय देते है, जिसे जानकार और सुनकर लोगों के रंगटे खड़े हो जाते हैं। लोग यह सोचने लगते है कि इतना साहस वाला काम असाधारण व्यक्तित्व, अदम्य साहस और देश के लिए कुछ कर गुजरने की जज्बा रखने वाला जवान ही कर सकता है। ऐसे जांबाजों में शामिल हैं सर्वेश कुमार सुमन। सर्वेश एक फिर पूरे देश में सुर्खियों में है।

एनएसजी कमांडों के रूप में पदक : राष्ट्रीय एकता दिवस पर केंद्रीय गुह मंत्रालय की ओर से 'गृहमंत्री दक्षता पदक- 2025' के लिए चयन किए गए जांबाज सुरक्षाकर्मियों के नामों की घोषणा की गई है। इनमें एक नाम सर्वेश कुमार सुमन का भी शामिल है। फिलहाल सर्वेश सीआरपीएफ की 206 कोबरा बटालियन (एक्स-एनएसजी) में सहायक कमांडेंट है। बता दें, जांबाज सर्वेश कुमार सीतामढ़ी जिला के सुरसंड प्रखंड के राघाउर गांव के निवासी हैं। उनके पिता स्व. जिनिस साह एसडीओ थे।



'गृहमंत्री दक्षता पदक- 2025' के लिए चयन किए गए जांबाज सुरक्षाकर्मियों के नामों की घोषणा की गई है। इनमें एक नाम सर्वेश कुमार सुमन का भी शामिल है। फिलहाल सर्वेश सीआरपीएफ की 206 कोबरा बटालियन (एक्स-एनएसजी) में सहायक कमांडेंट है। बता दें, जांबाज सर्वेश कुमार सीतामढ़ी जिला के सुरसंड प्रखंड के राघाउर गांव के निवासी हैं। उनके पिता स्व. जिनिस साह एसडीओ थे।

31 खूंखार नक्सलियों को मार गिराने वाले ऑपरेशन का नेतृत्व : बताया गया है कि उन्हें (सुमन) यह पदक छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित कोरगुटा पहाड़ी क्षेत्र में 24 दिन तक चले विशेष नक्सल-

विरोधी गतिविधियों के सफल नेतृत्व के लिए दिया गया है। इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने 31 खूंखार नक्सलियों को मार गिराया था। ढेर नक्सलियों में 16 महिला और 15 पुरुष शामिल थे।इसके अलावा मौके से भारी मात्रा में हथियार, गोला और बारूद बरामद करने के साथ गुप्त ठिकाने को भी नष्ट कर दिया गया था। अभियान से नक्सल नेटवर्क को बड़ा झटका लगने के बाद कई नक्सली आत्मसमर्पण कर दिये हैं। सर्वेश सुमन की गिनती सीआरपीएफ के साहसी और दक्ष ऑपरेशनल अधिकारियों में की जाती है।

सर्वेश की झोली में खिताबों की बारिश : सर्वेश की झोली में अबतक कई खिताब आ चुके हैं। फरवरी- 2025 में उन्हें कोबरा स्कूल ऑफ जंगल वारफेयर टैक्टिक्स, बेलगाम (कर्नाटक) में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुलिस उपमहानिरीक्षक की ओर से 'बेस्ट ऑफिसर कमांडो गोल्ड मेडल' से सम्मानित किया गया था। उन्होंने

सिर्फ सुरक्षा अभियानों में ही नहीं, बल्कि खेल जगत में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वे ऑल इंडिया पुलिस गेम्स में एक सिल्वर और चार ब्रॉन्ज मेडल जीतकर एनएसजी का मान बढ़ा चुके है। उनके इस योगदान के लिए उन्हें 'डीजी एनएसजी डिस्क अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया था।

इन 'बड़ों' की सुरक्षा में रह चुके हैं सर्वेश : सर्वेश कुमार सुमन राष्ट्रीय सुरक्षा गाई (एनएसजी) में सात वर्षों तक सेवा दे चुके हैं। उन्होंने देश के कई शीर्ष नेताओं जैसे पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, आंध्र प्रदेश, असम और पंजाब के मुख्यमंत्रियों को 'जेड प्लस सुरक्षा' प्रदान करने की जिम्मेदारी बखूबी निभा चुके हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय जवाहरनगर, सुतिहारा, सीतामढ़ी में, जबकि मैट्रिक जवाहर नवोदय विद्यालय, सीतामढ़ी से किए थे। वे किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक और एनएसजी से स्नातकोत्तर किए हुए है।

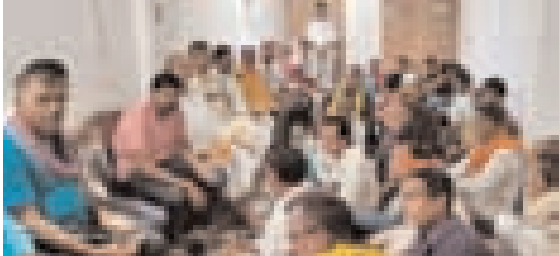
संक्षिप्त खबरें

इंटरॅनशिप से छात्रों में नवाचार और शोध की भावना का विकास

नवप्रदेश, बिक्रमगंज: अंजाबित सिंह महाविद्यालय बिक्रमगंज में शनिवार को इंटरॅनशिप के महत्व पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान नोडल पदाधिकारी डॉ. कन्हैया सिंह ने कहा कि इंटरॅनशिप छात्रों में नवाचार, शोध भावना और व्यवहारिक कौशल के विकास का माध्यम है। यह न केवल शैक्षणिक पाठ्यक्रम का हिस्सा है, बल्कि विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन के अनुभव से भी जोड़ता है। कार्यशाला का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश राम ने किया। उन्होंने कहा कि चार वर्षीय सीबीसीएस कोर्स के तहत पांचवें सेमेस्टर में 100 अंकों की इंटरॅनशिप अनिवार्य की गई है। सभी छात्रों को इसे पूर्ण निष्ठा से करना चाहिए, ताकि वे

व्यवहारिक ज्ञान अर्जित कर सकें। डॉ. सिंह ने कार्यशाला में इंटरॅनशिप की प्रक्रिया, उद्देश्यों और विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय द्वारा छात्रों के प्रशिक्षण के लिए विभिन्न संस्थानों और संगठनों से समझौता किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को विविध क्षेत्रों में अवसर प्राप्त हो सकें। प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए सभी सवालों का नोडल पदाधिकारी ने संतोषजनक उत्तर दिया। कार्यक्रम में सभी विभागों के विभागाध्यक्ष और शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन परीक्षा नियंत्रक डॉ. अनिल कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अखलाख अहमद ने प्रस्तुत किया।

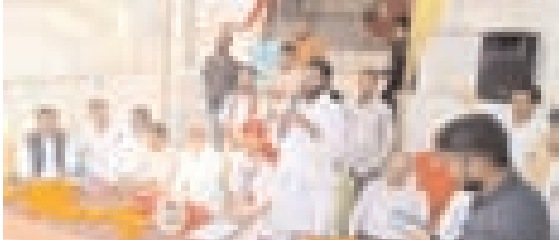
निर्दलीय प्रत्याशी सह पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह का चुनाव कार्यालय का उद्घाटन



नवप्रदेश, सूर्यपुरा : दावथ प्रखंड मुख्यालय में रविवार को दिनारा विधानसभा 210 के निर्दलीय प्रत्याशी सह पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह का चुनाव कार्यालय का उद्घाटन समाजसेवी विजय सिंह व मनोज सिंह गांधी, सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपाल जी ने किया ने किया. जबकि संचालन का कार्य रामजी राय ने किया .दावथ प्रखंड मुख्यालय स्थित मुख्य बाजार में कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि दिनारा विधानसभा क्षेत्र के जनता की माा,सम्मान एवं सेवा के लिए हम हमेशा तैयार हैं.आप सभी जनता जनार्दन की सहयोग से जयकुमार सिंह को दिनारा विधानसभा 210 से अपार समर्थन के

साथ भारी बहुमत से विजय दिलाकर विधानसभा में तीन बार भेजने का काम किया है. इस बार भी दिनारा विधानसभा के सभी मतदाताओं के अपार जन समर्थन से विधानसभा में जाकर सत्ता में घुरी बनने का काम करूंगा .अतः आप सभी मतदाताओं से हाथ जोड़ कर विनती करता हू कि इस विधानसभा में भी आप सभी इस सेवक को अपना बहुमूल्य वोट देकर मुझे विजयी बनाए. मौके पर बीरेंद्र सिंह, अभय सिंह, संतोष सिंह, सनोज तिवारी, रवि तिवारी, मणि शंकर सिंह, विद्यानंद पांडे, प्रकाश निरी, अंजनी पाठक, लक्ष्मण पासवान, राजेश कुशवाहा, वंशीधर तिवारी,बंगाली अंसारी,राजू लाल , गोरख राम, रामदेव राम, हरगोबिंद राम नारायण राम, भुअर राम के साथ ही कई अन्य लोग शामिल थे.

दुसाध जागृति मंच ने लोजपा आर के लिए भरी हुंकार



डेहरी (रोहतास) : स्थानीय एनीकेट स्थित चौहतरम धाम में रविवार को दुसाध जागृति मंच की एक बैठक हुई जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि दुसाध (पासवान) समाज डेहरी विधानसभा क्षेत्र से लोजपा आर उम्मीदवार राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह का जीत सुनिश्चित करने के लिए पुरी ताकत झोकेगी। मंच के अध्यक्ष संजय पासवान ने अध्यक्षता में आयोजित बैठक में डेहरी डालमियानगर नगर परिषद क्षेत्र के साथ ही डेहरी तथा अकोढ़ी

गोला प्रखंड के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या समाज के लोगों ने शिरकत की। बैठक के अंत लोजपा आर उम्मीदवार को बुलाकर उन्हें सम्मानित किया गया। इस बैठक को संरक्षक राजाराम पासवान, डॉ एके विमल, अजयेंद्र पासवान, मुना पासवान, देवकूड पासवान, गुन के पूर्व अध्यक्ष प्रतिनिधि विष्णु पासवान, सुदामा पासवान, धर्मदेव पासवान, आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये तथा जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

प्रथम एवं द्वितीय पूरक रैंडमाइजेशन पारदर्शी रूप से सम्पन्न

बेतिया : बिहार विधान सभा आम निर्वाचन—2025 के संदर्भ में सुरक्षित वी.वी.पेट मशीनों की उपलब्धता कम होने के कारण प्रथम एवं द्वितीय पूरक रैंडमाइजेशन संबंधी कार्यवाही की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी—सह—जिला पदाधिकारी, पश्चिम चंपारण, श्री धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष प्रथम रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया संपन्न की गई। साथ ही निवाची पदाधिकारी के द्वारा प्रेक्षकों एवं प्रत्याशियों के समक्ष द्वितीय पूरक रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया पूरी की गई। बैठक में समस्त निवाची पदाधिकारी, राजनीतिक दलों के

प्रतिनिधि, प्रत्याशी तथा ई.वी.एम./वी.वी.पेट कोषांग के नोडल पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले के 01–वार्मीकिनगर, 02–रामनगर (रउ), 03–नरकटियागंज, 04–बाहा, 05–लौरिया, 06–नौतन, 07–वनापटिया, 08–बेतिया एवं 09–सिकटा विधानसभा क्षेत्रों में प्रथम एवं द्वितीय पूरक रैंडमाइजेशन कर आवश्यक सुरक्षित वी.वी.पेट मशीनों का आभूत किया गया। रैंडमाइजेशन प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई तथा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के निवाची पदाधिकारियों/ राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से संबंधित सूची पर हस्ताक्षर कराया गया।

राधा कृष्ण मंदिर में महा आरती का हुआ आयोजन

नवप्रदेश, जगदीशपुर : नगर के डीएम रोड स्थित राधा कृष्ण ठाकुर बारी में महा आरती का आयोजन किया गया. महा आरती कार्यक्रम में सैकड़ो लोग उपस्थित रहे. सामाजिक कार्यकर्ता सतीश कुमार गुप्ता, नीरज कुमार, संतोष कुमार, दिलीप जी, वीरेंद्र जी, सोनू कुमार,अजय कसेरा, मोनू निराला,गणेश कसेरा, श्रीकांत गुप्ता, विराट मिश्रा, दीपक कुमार, रौनक कुमार रंजनाइजेशन की प्रक्रिया पूरी की गई। बैठक में समस्त निवाची पदाधिकारी, राजनीतिक दलों के

धुन पर किया गया इसके बाद सभी श्रद्धालुओं के बीच हलवा रूपी प्रसाद का वितरण किया गया, इस मौके पर शिव जी वैश्य (पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष), सामाजिक कार्यकर्ता सतीश कुमार गुप्ता, नीरज कुमार, संतोष कुमार, दिलीप जी, वीरेंद्र जी, सोनू कुमार,अजय कसेरा, मोनू निराला,गणेश कसेरा, श्रीकांत गुप्ता, विराट मिश्रा, दीपक कुमार, रौनक कुमार रंजनाइजेशन की प्रक्रिया पूरी की गई। बैठक में समस्त निवाची पदाधिकारी, राजनीतिक दलों के

आरपीएफ डेहरी ऑन सोन ने 10 लीटर देसी शराब के साथ शराब तस्कर को किया गिरफ्तार

नवप्रदेश डेहरी : निरीक्षक प्रभारी/रंडेडर डेहरी ऑन सोन/ रामविलास राम के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक उपेन्द्र कुमार, साथ सहायक उप निरीक्षक जी पन्तुवेदी, प्रधान आरक्षी बी.बी. मिश्र, आरक्षी अभिमन्यू सिंह, आरक्षी सर्वोदय पासवान सभी रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डेहरी ऑन सोन, सभी रेलवे स्टेशन डेहरी ऑन सोन में प्रसूत व अपराधी गतिविधि निगरानी करते हुए स्टेशन से पाली पुल के तरफ जा रहे थे उसी दौरान स्टेशन से करीब 100 मीटर पूरब एक व्यक्ति कृष्णा कुमार, उम्र

25 वर्ष, पिता महेंद्र चौधरी, ग्राम पुंडरी, थाना नासरीगंज, जिला रोहतास (बिहार) को तीन बैग में कुल 10.8 लीटर छत्तीली देसी मसाला शराब के साथ पकड़ गया। जिसे मौके की सभी आरक्षक कागजी कारवाई कर सभी अवैध शराब को बिंविधित जप्त किया गया। जप्त सभी देशी शराब की अनुमानित कीमत 2430/- रुपए है जिसे अग्रिम कागजी कारवाई वास्ते रेल थाना अस्थक्ष डेहरी ऑन सोन थाना को उपरोक्त गिरफ्तार अभियुक्त, जप्त शराब मय कागजात के साथ सुपुर्द किया गया।

पतंजलि विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में कुल 1454 विद्यार्थियों को दी उपाधि

शिक्षा का उद्देश्य सदाचार, सरलता और कर्तव्यनिष्ठा जैसे जीवन-मूल्यों को आत्मसात करना : राष्ट्रपति

हरिद्वार। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हरिद्वार के पतंजलि विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में 1454 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इनमें 62 शोधार्थियों को विद्या वारिधि और 3 शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान की गई, जबकि 615 विद्यार्थियों को परास्नातक और 774 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। रविवार को आयोजित इस दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि उपाधि पाने वाले विद्यार्थियों में 64 प्रतिशत बेटियां हैं तथा पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों से चार गुना अधिक है। यह उपलब्धि विकसित भारत के उस स्वरूप का परिचायक है, जिसमें महिलाएं नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय महर्षि पतंजलि की तप, साधना और ज्ञान परंपरा को आधुनिक समाज के लिए सुलभ बना रहा है। विश्वविद्यालय योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से

बिहार चुनाव में हिंसा बर्दाश्त नहीं : मुख्य चुनाव आयुक्त



कानपुर। आईआईटी कानपुर के फाउंडेशन डे में रविवार को शामिल होने पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में हिंसा करने वालों पर नकेल कसी जा रही है। किसी भी व्यक्ति या दल को हिंसा या अराजकता नहीं करने दी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था अधिक सख्त की जा रही है और मतदाता निर्भय होकर मतदान करें। अब देशभर में एसआईआर चलेगा। बिहार चुनाव में हिंसा से जुड़े पत्रकारों के लिए पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर कड़ा रख अपनाया है। चुनाव आयोग के लिए न कोई पेश है, न विपक्ष सब समान हैं। हिंसा की कोई भी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर, दूसरे चरण का 11 नवंबर को होगा और मतगणना 14 नवंबर को होगी। चुनाव आयोग ने 243 रिटर्निंग ऑफिसर, पर्यवेक्षक, जिलाधिकारी और पुलिस कप्तानों की टीम को पूरी तरह से तैयार किया है। उन्होंने बताया बिहार के बाद अब देशभर में 51 करोड़ मतदाताओं की सूची का शुद्धिकरण (एसआईआर) होगा। इसके लिए सभी जरूरी तैयारियों की जा रही है। यह कार्य वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बनेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि वे बिहार चुनाव की व्यस्तता के कारण कानपुर आने की योजना छोड़ चुके थे, लेकिन अपनी माता की इच्छा का सम्मान करते हुए कानपुर पहुंचे। उन्होंने कहा कि आईआईटी वालों ने भी उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन मां की आज्ञा का पालन करने के लिए मैं यहां आया हूं। आईआईटी कानपुर में बिताए चार वर्ष उनके जीवन के सबसे ऊजावर्तन साल रहे। आईआईटी कानपुर के फाउंडेशन डे में शिरकत करने से पहले उन्होंने अर्थगर्भर स्थित टीएसएच स्पोर्ट्स हब में आयोजित माथुर वैश्य समाज के कार्यक्रम में भी भाग लिया। कार्यक्रमों में उन्होंने आईआईटी के छत्र जीवन, कानपुर से जुड़ाव और चुनाव आयोग के अनुभवों को साझा किया।

बिहार में फिर एनडीए सरकार बनी तो एक करोड़ युवाओं को मिलेंगे रोजगार, बिछेंगे उद्योगों के जाल : नरेंद्र मोदी

नवादा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अगर बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनती है तो एक करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेंगे। उद्योग धंधों का जाल बिछाया जाएगा ।वे रविवार को नवादा के कुतौ नगर के मैदान में आयोजित एक माहती जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर उपस्थित सभी एनडीए प्रत्याशियों को जीताने का आह्वान करते हुए कहा कि कांग्रेस तथा राष्ट्रीय जनता दल फिर से बिहार को जंगल राज की स्थिति में धकेलना चाहते हैं। जिससे बिहारवासी सतर्क होकर एनडीए को वोट दें। उन्होंने बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ श्री कृष्ण सिंह की जन्मस्थली नवादा बताते हुए कहा कि आज बिहार उनके विकास को नहीं भूल सकता। उन्होंने कहा कि कृषि एनडीए सरकार बनी तो बिहार में उद्योगों का जाल बिछाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाकर एक ऐतिहासिक कार्य किया है। ऑपरेशन सिंदूर कर उन्होंने विरोधियों को घर में घुसकर माग है। जिसका वादा हमने पहले भी किया था। मोदी पाल-पाल वादा निभाना जानता है। उन्होंने कहा कि विकसित बिहार के



स्वस्थ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की भारत-केन्द्रित शिक्षा-दृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि इसमें विश्व बंधुत्व की भावना, वैदिक ज्ञान एवं आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समन्वय और वैश्विक चुनौतियों के समाधान संनिहित है। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान-प्राप्ति नहीं है, बल्कि सदाचार, तपस्या, सरलता और कर्तव्यनिष्ठा जैसे जीवन-मूल्यों को आत्मसात करना भी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी स्वाध्याय और तपस्या जैसे आदर्शों का पालन करते हुए स्वस्थ, संस्कारित और समरस समाज के निर्माण में योगदान देंगे।

समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट

जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राष्ट्रपति के देवभूमि आगमन को गर्व का क्षण बताया। राज्यपाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि योग, आयुर्वेद और अध्यात्म का प्राण-केंद्र है। उत्तराखंड की ऋषि-परंपरा आज भी हमें यह प्रेरणा देती है कि ज्ञान का सर्वोच्च उद्देश्य केवल आत्म-विकास नहीं, बल्कि विश्व-कल्याण है। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अर्थ, प्रदेश और समाज के उम्मीदों पर खरे उतरेंगे तथा अपनी शिक्षा, प्रतिभा एवं प्रशिक्षण का उपयोग मानव-कल्याण के लिए करेंगे। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राष्ट्रपति

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली भूपति ने की साथियों से आत्मसमर्पण करने की अपील, जारी किया मोबाइल नंबर

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में सक्रिय रहे और महाराष्ट्र के गढ़चिरोली में आत्मसमर्पण करने वाले डेढ़ करोड़ के इनामी नक्सली मोजुल्ला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति ने अपने साथियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा है। उसने एक वीडियो संदेश में अपना और अपने साथी का मोबाइल जारी किया है। उसने कहा कि लड़ाई अब जनता के साथ मिलकर लोकतांत्रिक तरीकों से लड़ी जानी चाहिए। आत्मसमर्पण करने के बाद भूपति ने पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है। बोते 15 अक्टूबर को महाराष्ट्र के गढ़चिरोली में सरकार के समक्ष आत्मसमर्पण वाले भूपति ने कहा कि संगठन के लोग युझे गद्दार कह रहे हैं, लेकिन मैं गद्दार नहीं हूं। इस नंबर पर उससे सीधे संपर्क करें। इसके अलावा आत्मसमर्पित नक्सली रूपेश का नंबर 6267138163 भी जारी किया है। जिस पर उसने हिंसा छोड़ने की इच्छा रखने वाले नक्सलियों से उनसे संपर्क करने की बात कही है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि संगठन के भीतर वैचारिक संकट गहराता जा रहा है। यह समय बंदूक उठाने का नहीं बल्कि आत्ममंथन



आत्मसमर्पण का फैसला लिया। अब हम हथियार छोड़कर, जनता के बीच रहकर उनके लिए काम करना चाहते हैं। भूपति ने अपने साथियों से भी आत्मसमर्पण करने की अपील की है। साथ ही भूपति ने साथियों के लिए अपना एक कॉन्टेक्ट नंबर 8856038533 जारी किया है कि इस नंबर पर उससे सीधे संपर्क करें। इसके अलावा आत्मसमर्पित नक्सली रूपेश का नंबर 6267138163 भी जारी किया है। जिस पर उसने हिंसा छोड़ने की इच्छा रखने वाले नक्सलियों से उनसे संपर्क करने की बात कही है। उनहोंने यह भी स्वीकार किया कि संगठन के भीतर वैचारिक संकट गहराता जा रहा है। यह समय बंदूक उठाने का नहीं बल्कि आत्ममंथन

सान्निध्य और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। धामी ने कहा कि स्वामी रामदेव के मार्गदर्शन में पतंजलि विश्वविद्यालय आधुनिक शिक्षा को भारतीय संस्कारों और परंपराओं से जोड़ने का अतुलनीय कार्य कर रहा है। यहां विज्ञान और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिलता है, जहाँ विद्यार्थी केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-मूल्यों की भी शिक्षा प्राप्त करते हैं। पतंजलि विश्वविद्यालय ने आधुनिक विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा के समन्वय से ऐसी शिक्षा प्रदत्ति विकसित की है, जो योग, आयुर्वेद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी को एक सूत्र में पिरोने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार अनेक नवाचार कर रही है। भारतीय संस्कृति, दर्शन और इतिहास के गहन अध्ययन के लिए दून विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज की स्थापना की गई है। देहरादून में साईंस सिटी, हल्द्वानी में एस्ट्रो पार्क और अल्मोड़ा में साईंस सेंटर के निर्माण के माध्यम से साईंस में वैज्ञानिक अनुसंधान को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्याय के कुलपति आनंद बालकृष्ण ने पंतजलि के समाजिक क्षेत्र में किये

जा रहे कार्यों तथा विश्वविद्यालय की हासिल उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के कुलाधिपति स्वामी रामदेव, कुलपति आचार्य बालकृष्ण, सांसद जिवेन्द्र सिंह रावत, डॉ. कल्पना सैनी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। राष्ट्रपति ने इन छात्र-छात्राओं को प्रदान किए मेडल 90 प्रतिशत अंक के साथ विश्वविद्यालय की टॉपर साध्वी देवपूजा, देवेन्द्र सिंह (स्वामी इन्द्रदेव) एमए संस्कृत व्याकरण 94 प्रतिशत, बीए संस्कृत व्याकरण 89 प्रतिशत, मानसी (साध्वी देववाणी) (ट्रिपल गोल्ड मेडलिस्ट - बीए संस्कृत व्याकरण, एमए संस्कृत व्याकरण तथा एमए योगा साईंस), अजय कुमार (स्वामी आर्षदेव) एमए दर्शन में 92 प्रतिशत, रीता कुमारी (साध्वी देवसुधा) एमए संस्कृत व्याकरण 90 प्रतिशत, शालू भदेरिया (साध्वी देवशीला) बीए दर्शन में 90 प्रतिशत, अशिका बीए योगा साईंस 87 प्रतिशत, प्रीति पांडेय, एमए साइकोलॉजी में 87 प्रतिशत, पूर्वा, एमएएससी योगा साईंस 85 प्रतिशत और मैत्रेई, बीएससी योगा साईंस में 83 प्रतिशत पाने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किए।

आत्मसमर्पण करने के बाद नक्सलियों के सीसी मेंबर रूपेश ने भी छत्तीसगढ़ सरकार के सामने हथियार के साथ आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद रूपेश ने भी एक वीडियो जारी किया था। रूपेश ने कहा कि महासचिव बसवा राजू का चाहते थे कि संघर्ष विराम हो। इसी बीच बसवा राजू का एनकाउंटर हो गया, हमें अपने साथियों की चिंता है, हमें भविष्य के बारे में सोचना था। रूपेश ने माओवादी संगठन पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि दंडकारण्य की बैठक में भी उन्हें नहीं बताया कि उतर बस्तर साथी क्या सोच रहे हैं। बीती 17 अक्टूबर को जगदलपुर में 210 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। 153 हथियार भी सौंप गए थे। इन्हें 3 बरसों के जरिए के जगदलपुर मुख्यालय लाया गया था। इनमें एक करोड़ का इनामी सेंट्रल कमेटी मेंबर (सीसीएम) सतीशा उर्फ टी. वासुदेव राव उर्फ रूपेश भी शामिल था।इसके बाद नक्सल संगठन की ओर से नक्सली अभय के नाम से पर्चा जारी हुआ, जिसमें रूपेश समेत 210 आत्मसमर्पित नक्सलियों को गद्दार बताया गया था।

हिंद महासागर में सुरक्षा पर गुरुग्राम में मंथन को जुटेंगे दुनियाभर के सिक्वोरिटी स्पेशलिस्ट

30 देशों के प्रतिनिधि इस सिक्वोरिटी सेमिनार में लेंगे भाग

आईएनएस अरावली में तीन से पांच नवंबर तक होगा सेमिनार

गुरुग्राम। हिंद महासागर में सुरक्षा को लेकर भारत की खास तैयारियां हैं। इसे लेकर गुरुग्राम में तीन से पांच नवंबर तक एक विशेष सेमिनार मैरीटाइम इन्फॉर्मेशन शेयरिंग आयोजित किया जा रहा है। इसमें दुनियाभर के मैरीटाइम सिक्वोरिटी स्पेशलिस्ट भाग लेंगे। आईएनएस अरावली नेवी बेस में होने वाले इस सेमिनार की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस सेमिनार का डिप्टी चीफ ऑफ नेवल स्टाफ वाइस एडमिरल तरुण सोबती उद्घाटन करेंगे। डीजी शिपिंग के अतिरिक्त निदेशक जनरल आईपीएस सुशील मानसिंग खोपड़े मुख्य अतिथि होंगे। आईएनएस अरावली नेवी बेस परिसर स्थित इन्फॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर इंडियन ओशन रिजन में सोमवार से मैरीटाइम इन्फॉर्मेशन शेयरिंग सेमिनार को लेकर जनता ने बताया कि यह वर्कशॉप भारत की भीतरीकरण नीति का अहम हिस्सा है। इसे म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्वोरिटी एंड ग्रोथ अक्रॉस रिजंस नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस नीति का मकसद हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग और इन्फॉर्मेशन शेयरिंग को मजबूती देना है। इस सेमिनार में यूनाइटेड नेशंस ऑफिस ऑन ड्रम्स एंड क्राइम, रिजनल मैरीटाइम इन्फॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर, रीकेप इंफॉर्मेशन शेयरिंग सेंटर, इन्फॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर सिंगापूर समेत कई प्रमुख शिपिंग कंपनियां शिरकत कर रही हैं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समुद्री खतराओं को रोकना है। गैर कानूनी कार्यों में पायरेसी, ड्रग तस्करी, मानव तस्करी व गैरकानूनी मछली पकड़े जैसे कार्य शामिल हैं। हिंद महासागर रिम एसोसिएशन, जिबूती कोड ऑफ कंडक्ट, जेदा अमेंडेमेंट और बिस्केट समेत 30 देशों के समुद्री सुरक्षा अधिकारी इस सेमिनार में आ रहे हैं। बीते दिनों ही गुरुग्राम में नेवी चीफ ऑफ स्टाफ दिनेश त्रिपाठी ने गुरुग्राम में आईएनएस अरावली में मॉनिटरिंग सेंटर का उद्घाटन किया था। आईएनएस अरावली में स्थापित किए गए इन्फॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर इंडियन ओशन रिजन में 25 देशों के 43 मल्टीनेशनल सेंटर की लघुव फीड उपलब्ध होती है। इस सेंटर ने 28 देशों के साथ 76 से अधिक अंतरराष्ट्रीय संपर्क स्थापित किए हैं। इसमें ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम समेत 15 देशों के इंटरनेशनल लाइजन ऑफिसर्स तैनात हैं। ये सभी 57 समुद्री सुरक्षा संमंठनों और 25 साझेदार देशों के साथ नियमित सहयोग कर रहे हैं।

एक नजर

नेपाल: भारी बर्फबारी और भूस्खलन में ऊपरी मुस्तांग का संपर्क कटा

काठमांडू। भारी हिमपात और भूस्खलन के कारण सड़को, बिजली और इंटरनेट सेवाएं बाधित हो जाने से ऊपरी मुस्तांग का संपर्क पूरी तरह से कट गया है। इसके चलते वहां करीब 550 से अधिक पर्यटक और 100 से ज्यादा वाहन फँसे हुए हैं। जॉमसोमझकोरला सड़क जगह-जगह धँसने और भूस्खलन से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। बारिश के साथ हुई बर्फबारी के कारण बागबेनी से ऊपर छुसाइ क्षेत्र तक सड़क, बिजली और इंटरनेट सेवाएँ बंद हो गई हैं। मुस्तांग के पुलिस प्रमुख डीएसपी खिरिंग किप्पा लामा के अनुसार, स्थानीय पुलिस चौकियाँ रविवार सुबह तक भी संपर्क में नहीं आ पाई हैं। उन्होंने बताया कि छुसाइ से ऊपर आधा दर्जन से अधिक बड़े भूस्खलन हुए हैं और जैसीसी मशीनों से सड़क खोलने का कार्य शुरू किया गया है लेकिन पूरी तरह मार्ग साफ करने में अभी कुछ दिन लगेगे। कागबेनी और आसपास के क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी के कारण पर्यटकों को बचाव की आवश्यकता पड़ी। इसके साथ ही ऊँचे पहाड़ी और हिमालयी इलाकों का संपर्क भी पूरी तरह टूट गया। मुस्तांग के प्रमुख जिला अधिकारी बिष्णु प्रसाद भुसाल के अनुसार, ऊपरी मुस्तांग में 550 से अधिक पर्यटकों से संपर्क कट गया है। प्रमुख जिला अधिकारी ने बताया कि 559 लोग और 108 वाहन वहाँ फँसे हुए हैं। ऊपरी मुस्तांग में संपर्क का कोई माध्यम उपलब्ध नहीं है। बड़े-बड़े भूस्खलन हटाने की आवश्यकता होने के कारण इसमें कम से कम 3 दिन और लगेगे। उन्होंने कहा कि वहाँ फसे अधिकशाल पर्यटक भारत और दूसरे देशों के हैं। नेपाली दूर गाइड और दिदेशी पट्टकों की वही संख्या का भी अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि वृ्हीक वही होटल और घर मौजूद हैं इसलिए सभी लोग सुरक्षित स्थान पर होंगे।

नाइजीरिया पर फिर भड़के ट्रंप, अमेरिकी युद्ध विभाग को कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा
वॉशिंगटन। नाइजीरिया की सरकार के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाराजगी लगातार बढ़ रही है। ट्रंप ने नाइजीरिया को खुली धमकी देते हुए कहा कि वे अमेरिकी युद्ध विभाग को कार्रवाई के लिए तैयार रहने का निर्देश दे रहे हैं। नाइजीरिया में इस्लामी कट्टरपंथी समूहों द्वारा ईसाई आबादी को निशाना बनाए जाने का आरोप लगाते हुए ट्रंप ने दो दिनों पहले भी वहां की सरकार को धमकी दी थी। नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टौनुबु ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आरोपों को गलत बताते हुए कहा था कि नाइजीरिया को धार्मिक रूप से असहिष्णु देश बनाना गलत है। ट्रंप ने ताजा धमकी दीं देते हुए ट्रथ सोशल पर लिखा कि अगर नाइजीरिया की सरकार ईसाइयों की हत्या की इजाजत देना जारी रखती है तो उसे दी जाने वाली सभी अमेरिकी सहायता तुरंत बंद कर दी जाएगी और हो सकता है कि इस्लामी आतंकवादियों का सफाया कर दें जो यह भयानक अत्याचार कर रहे हैं। ट्रंप ने नाइजीरिया की सरकार का इस संबंध में तत्काल प्रभावी कदम उठाने की चेतावनी देते हुए सख्त लहजे में कहा है कि मैं अपने युद्ध विभाग को संभावित कार्रवाई के लिए तैयार रहने का निर्देश दे रहा हूँ। अगर हम हमला करेंगे, तो वह तेज, खतरनाक और सटीक होगा, ठीक वैसे जैसे आतंकवादियों हमारे प्यारे ईसाइयों पर हमला करते हैं। नाइजीरिया की करीब 23 करोड़ आबादी में मुस्लिम और ईसाइयों की संख्या लगभग बराबर है। यह देश लंबे समय से बोको हरम जैसे बर्बर आतंकी संगठनों द्वारा ईसाइयों की सामूहिक हत्या का भूे लगातार उठाया है जिसे नाइजीरिया की सरकार ने सिर से खातिर कर दिया। नाइजीरिया पर अमेरिका की नजर मत जुलाई माह से ही टेढ़ी है जब उसने अमेरिका ने अपने अवैध प्रवासियों को कई अफ्रीकी देशों में भेजे जाने का दबाव बनाया था। इस दौरान नाइजीरिया ने साफ तौर पर इन प्रवासियों को अपने यहां लेने से यह कहते हुए मना कर दिया था कि उसके यहां पहले से 23 करोड़ की आबादी है और यहां कई विकट घरेलू चुनौतियां पहले से हैं। उसने किसी भी दबाव या तालव में अमेरिका की इस पेशकश को मानने से इनकार कर दिया। नाइजीरिया के विदेश मंत्री युसुफ टाउर ने कहा था कि अफ्रीकी देशों पर दबाव डालने के लिए अमेरिका ने वीजा प्रतिबंध और टैरिफ बढ़ोतरी जैसे कदम उठाए। ट्रंप बलापूर्वक अफ्रीकी देशों से कह रहे हैं कि वो अमेरिका से निर्व्यासित किए जाने वाले नेनेगुला के खतरनाक अपराधियों को अपने यहां रखें।

नेपाल से 11 देशों के राजदूतों की वापसी के सरकार के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

काठमांडू। नेपाल की सर्वोच्च अदालत ने राजदूतों की वापसी के निर्णय को तत्काल प्रभाव से लागू न करने का अंतिम आदेश जारी किया है। न्यायाधीश शरणा सुवेदी और श्रीकांत पौडेल की संयुक्त पीठ ने यह आदेश जारी करते हुए कहा कि सरकार को विदेशी फिलहाल कार्यान्वित नहीं किया जाए। गौरतलब है कि सरकार ने मध्य अक्टूबर में विभिन्न 11 देशों में तैनात नेपाली राजदूतों को वापस बुलाने का निर्णय लिया था। इस निर्णय को चुनौती देते हुए पत्रकार सुनिल भट्टराई ने प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद कार्यालय और परराष्ट्र मंत्रालय को पत्राचार बनाते हुए रिट याचिका दायर की थी।

देश में शोध को आसान और प्रभावी बनाने पर तिरुवनंतपुरम में हुई नीति आयोग की क्षेत्रीय बैठक
तिरुवनंतपुरम। देश में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए नीति आयोग ने 'ईन ऑफ इड्ज' रिसर्च एंड डेवलपमेंट' पर आदमी क्षेत्रीय परामर्श बैठक तिरुवनंतपुरम में की। बैठक में वैज्ञानिक मंत्रालय, विश्वविद्यालय और अनुसंधान संस्थानों के प्रतिनिधियों ने मिलकर चर्चा की कि भारत में शोध कार्यों को कैसे आसान, प्रभावी और उपयोगी बनाया जा सकता है। यह बैठक 30 और 31 अक्टूबर को नेशनल सेंटर फॉर आई साईंस रजिस्ट्री (एनसीईएसएस) में हुई। कार्यक्रम की शुरूआत परसीएफएस के निदेशक प्रो. एनवी वेलापति राव के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि देश के शोध अनुसंधान संस्थान नवाचार आवांरित विकास में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नीति आयोग के प्रो. विवेक कुमार सिंह ने आरओआई प्रेमर्क की जानकारी दी और बताया कि इसका उद्देश्य शोधकर्ताओं के सामने आने वाली अड़चनों को दूर कर एक अनुकूल माहौल तैयार करना है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने संसद डॉ. बीके सारस्वत ने कहा कि अगर एंड डी के लिए संस्थानों की आंतरिक व्यवस्था और बाहरी नीतिगत दांचे दोनों को बेहतर बनाना जरूरी है। कार्यक्रम में केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आलेंकर ने कहा कि ब्लूईज ऑफ इड्ज आर एंड डी का सीधा संबंध नागरिकों के हाईज ऑफ लिविंग से है और विज्ञान को जनकेंद्रित विकास से जोड़ना सभ्य की मांग है। दो दिवसीय बैठक का समापन विभिन्न संस्थानों, प्रयोगशालाओं और सरकारी प्रतिनिधियों के बीच चर्चा के साथ हुआ, जिसमें सभी ने भारत में एक सहयोगी और प्रभावी शोध व्यवस्था बनाने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने एशियन यूथ गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन पर खिलाड़ियों को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस साल एशियन यूथ गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने वाले भारतीय युवा खिलाड़ियों को बधाई दी है। भारत ने इस प्रतियोगिता में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 48 पदक अपने नाम किए। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमारे युवा एथलीट्स ने एशियन यूथ गेम्स 2025 में इतिहास रच दिया है। अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए उन्होंने 48 पदक जीते हैं। पूरी टीम को बधाई। उनके जुनून, समर्पण और मेहनत का शानदार परिणाम देखने को मिला है। आने वाले प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि भारत की युवा शक्ति के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक है।

आईपीएस अखिलेश सिंह को मिला वीरता पुरस्कार

मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ के मधुवन तहसील के छोटे से गांव मुरापुर निवासी और असम पुलिस में आईजी अखिलेश कुमार सिंह को राष्ट्रीय एक्ता दिवस पर देश के प्रख्यात अवााई केंद्रीय गृह मंत्री वस्त्रा पदक 2025 सहित दो प्रतिष्ठित पदकों से सम्मानित किया गया। उनके सम्मान से उनके गृह जनपद के सभी लोग काफी खुश हैं। इससे पहले भी अखिलेश कुमार सिंह को राष्ट्रपति द्वारा वीरता पुरस्कार दिया जा चुका है। अखिलेश कुमार सिंह ने शिवसागर जिले के एक गांव में निदेश महिला को डाउन टाकने लोगों द्वारा जिंदा जलाने के बाद कड़ी कार्रवाई करते हुए अपराधियों को गिरफ्तार करवाना एवं गांव की सुरक्षा की व्यवस्था करना गहन विवेचना और चार्जशीट तैयार करवा और गवाहों के बयान के आधार पर न्यायालय द्वारा 23 अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाने में अहम योगदान देने के लिए गृह मंत्री वस्त्रा पदक 2025 के लिए चयनित किया गया। दूसरा पदक उन्हें मणिपुर में शांति बहाली के लिए दिया जा रहा है। 2023 में मणिपुर में जाति हिंसा भड़कने के बाद अखिलेश कुमार सिंह को मणिपुर में फर्क अंअसम के लोगों को लाने के लिए इंकाल भेजा गया था जिसमें इन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए सैकड़ों लोगों को सकुशल वापसी करवाई। इसके बाद मणिपुर पुलिस के लगभग 2000 जवानों की अंसम में प्रशिक्षण की व्यवस्था अपने देखरेख में करवाई तथा मणिपुर में शांति बहाली में मदद की। जिसके लिए इन्हें मणिपुर डीजीपी प्रशंसा पदक 2025 के लिए चयनित किया गया है। किसी एक राज्य के अधिकारी को दूसरे राज्य के डीजीपी द्वारा मदन दिया जाना अति दुर्लभ है लेकिन श्री सिंह ने अपने जज्जे और होतले के बल पर अपने ही नही बल्कि दूसरे राज्य में भी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है।



स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रिटिव बिल्डिंग, द्वार रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुट्टूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कडहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेटोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshbranchi@gmail.com (RNI NO. JHAHIN/2016/68458)